कोटद्वार, बुधवार
3 सितम्बर 2025
वर्ष: 47
अंक: 120 पृष्ठ: 4
मूल्य: 2.00

जयन्त

निर्भीक – निष्पक्ष – जनसरोकार

www.dainikjayantnews.com
स्थापित 1979
संस्थापक : स्व. नरेन्द्र उनियाल
डाक पंजीयन पी.ए.ओ.07-2024-26 फोनः 9412081969 email: nagendra.uniyal@gmail.com

एक नजर

सरकारी नमक में मिलावट को लेकर उठ रहे हैं सवाल

देहरादून। सरकारी राशन की दुकानों पर मिल रहे नमक एक बार फिर चर्चाओं में है। लोग नमक में रेत मिले होने की शिकायत कर रहे हैं। कोई कार्रवाई नहीं होने पर लोग सोशल मीडिया में ऐसे वीडियो और पोस्ट डाल रहे हैं, जो नमक पर सवाल उठा रहे हैं। इधर, राशन डीलर कुछ दिन पहले ही मंत्री और अफसरों से मिलकर कह चुके हैं वह आगे नमक नहीं बेचेंगे। सरकारी नमक को लेकर लगातार सवाल उठते रहे हैं। जुलाई महीने में उत्तरकाशी जिले में सप्लाई होने वाला नमक विकासनगर के एक गोदाम में मिला था। इस मामले में मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की गई थी, लेकिन अब नमक की गुणवत्ता को लेकर अलग–अलग जिलों से शिकायतें सामने आई हैं। लोगों ने ऑन कैमरा इस नमक को पानी में घोलकर साबित करने का प्रयास किया कि नमक में रेत है। हालांकि विभाग की ओर से अभी तक ऐसे नमक की कोई सैंपलिंग नहीं की गई है। वहीं, ऑल इंडिया फेयर प्राइस शॉप डीलर्स फैडरेशन के प्रदेश उपाध्यक्ष दिनेश चौहान का कहना है कि नमक की खराब गुणवत्ता को लेकर कार्डधारक बार–बार शिकायत कर रहे हैं। लोग इसे लेकर राशन विक्रेताओं से अभद्र व्यवहार तक कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि इस बारे में खाद्य आयुक्त से शिकायत कर बता चुके हैं कि हम आगे नमक की बिक्री नहीं कर पाएंगे।इधर, अपर आयुक्त खाद्य पीएस पांगती का कहना है कि एनएबीएल और डीआरडीओ की लैब से नमक की जांच हुई है। मानकों के अनुरूप गुणवत्ता पाए जाने पर ही इसकी सप्लाई की जा रही है। यह नमक सिर्फ उत्तराखंड ही नहीं हिमाचल, राजस्थान, मध्य प्रदेश में भी सप्लाई किया जा रहा है।

आपदाग्रस्त के लिए दो हजार राहत किट मुख्यमंत्री को सौंपी

देहरादून। उत्तरकाशी के आपदाग्रस्त क्षेत्र के प्रभावितों के लिए नेस्ले इंडिया ने 2,000 किट मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी को सौंपी है। नेस्ले इंडिया की सस्टेनेबिलिटी और सामाजिक पहल प्रमुख डॉ. तरुणा सक्सेना ने कहा कि हम प्रभावित लोगों के साथ एकजुटता से खड़े हैं। उन्होंने कहा कि खाद्य पदार्थों की यह किट चार सदस्यीय परिवार की 15 दिन की आवश्यकता को पूरी कर सकती है। नेस्ले इंडिया के कॉर्पोरेट मामलों के निदेशक कुंवर हिम्मत सिंह ने कहा कि हम राहत कार्यों में हर संभव सहायता करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

चेतावनी निशान के ऊपर बही गंगा

हरिद्वार।भीमगोड़ा बैराज पर मंगलवार की गंगा दिन में दो दफा चेतावनी निशान के ऊपर बहने लगी। इस दौरान गंगा का अधिकतम जलस्तर चेतावनी निशान से 20 सेंटीमीटर मीटर ऊपर रिकॉर्ड हुआ। पहाड़ों में लगातार हो रही बारिश और गंगा में अतिरिक्त जल की निकासी के कारण हरिद्वार में गंगा उफान पर है। डीएम ने भी पिछले एक माह से जिले अलर्ट जारी किया हुआ है। सोमवार देर रात को गंगा के जलस्तर में बढ़ोतरी होने लगी थी। इसके बाद रात दो बजे गंगा चेतावनी निशान को पार कर बहने लगी। मंगलवार सुबह पांच बजे गंगा चेतावनी निशान से 20 सेंटीमीटर ऊपर बही। हालांकि सुबह पांच बजे के बाद गंगा का जल स्तर घटना शुरू हो गया था। इसके बाद सुबह नौ बजे गंगा चेतावनी निशान से 10 सेंटीमीटर नीचे बही। लेकिन दोपहर एक बजे गंगा का जलस्तर दोबारा बढ़ना शुरू हो गया।

ज्वालापुर के डबल मर्डर केस में दो को उम्रकैद

हरिद्वार। जिला एवं सत्र न्यायाधीश नरेंद्र दत्त की अदालत ने ज्वालापुर के बहु चर्चित डबल मर्डर कांड के आरोपियों को ने दोषी पाया है। अदालत ने दोषियों को आजीवन कारावास व साढ़े पांच लाख रुपये के जुर्माने की सजा सुनाई है। जिला शासकीय अधिवक्ता इंद्रपाल बेदी और विशेष लोक अभियोजक एससी/ एसटी एक्ट धर्मेश कुमार ने बताया कि तीन अक्तूबर 2015 की रात करीब साढ़े नौ बजे कड़च्छ ज्वालापुर निवासी पंकज, अपने दोस्त कार्तिक और रोहित उर्फ़ बंटी के साथ पैदल शास्त्री नगर मार्केट की तरफ जा रहा था, तभी रास्ते में आरोपी आशीष मेहता अपने पिता की दुकान के बाहर भाई चिन्नु मेहता, महेश मेहता, सचिन पुत्र रमेश, अरुण पुत्र छत्रपाल और कुछ अन्य लोगों के साथ एक राय होकर खड़ा था।

राज्य सरकार और नेशनल हाईवे लॉजिस्टिक्स मैनेजमेंट लिमिटेड के बीच हुआ समझौता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की उपस्थिति में मंगलवार को सचिवालय में पर्वतमाला परियोजना के अन्तर्गत केदारनाथ और हेमकुंड साहिब में रोपवे के विकास के लिए राज्य सरकार और नेशनल हाईवे लॉजिस्टिक्स मैनेजमेंट लिमिटेड (एनएचएलएमएल) के बीच समझौता हुआ। इस समझौते के अन्तर्गत इक्विटी भागीदारी में एनएचएलएमएल की 51 प्रतिशत और राज्य सरकार की 49 प्रतिशत हिस्सेदारी होगी। राजस्व साझेदारी के अन्तर्गत 90 प्रतिशत धनराशि उत्तराखण्ड राज्य में पर्यटन, परिवहन एवं गतिशीलता के क्षेत्र में व्यय की जायेगी। इस समझौते के अवसर पर राज्य मंत्री सड़क परिवहन एवं राजमार्ग, भारत सरकार अजय टम्टा एवं उत्तराखण्ड के पर्यटन मंत्री सतपाल महाराज भी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि यह समझौता प्रदेश की धार्मिक और सांस्कृतिक धरोहर को वैश्विक पटल पर नई पहचान दिलाने के साथ ही पर्यटन, रोजगार, पर्यावरण संरक्षण और बुनियादी ढ़ाचे के क्षेत्र में नई संभावनाओं का मार्ग प्रशस्त करेगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में पर्वतमाला परियोजना के तहत सोनप्रयाग से केदारनाथ के बीच लगभग 4100 करोड रूपए की लागत से 12.9 किलोमीटर लंबी तथा गोविंदघाट से हेमकुण्ड साहिब के बीच 2700 करोड़ से अधिक की लागत की 12.4 किलोमीटर लंबी रोपवे परियोजनाओं के निर्माण को मंजूरी प्रदान की गई। मंत्री ने कहा कि ये परियोजनाएं राज्य में रोपवे कनेक्टिविटी के विस्तार में नए आयाम स्थापित करने के साथ ही राज्य की अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने में में महत्वपूर्ण भूमिका निभायेगी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में राज्य में रेल, रोड और रोपवे कनेक्टिविटी का तेजी से विस्तार हो रहा है। चारधाम ऑलवेदर रोड, दिल्ली देहरादून एलिवेटेड रोड, सितारगंज से टनकपुर मोटर मार्ग, पौंटा साहिब देहरादून, बनबसा से कंचनपुर, भानियावाला से ऋषिकेश, काठगोदाम से लालकुंआ, हल्द्वानी बाईपास और सीमांत क्षेत्रों में रोड कनेक्टिविटी से जुड़ी विभिन्न परियोजनाओं के माध्यम से कनेक्टिविटी को सशक्त करने की दिशा में कार्य हो रहे हैं। रेल कनेक्टिविटी के विस्तार पर भी तेजी से कार्य हो रहे हैं।

केन्द्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग, राज्य मंत्री अजय टम्टा ने कहा कि राज्य में रोपवे के विकास की दृष्टि से यह महत्वपूर्ण दिन है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में राज्य में हर क्षेत्र में तेजी से विकास कार्य हो रहे हैं। इन रोपवे के निर्माण के बाद श्रद्धालुओं को केदारनाथ और हेमकुण्ड साहिब के दर्शन करने में काफी सुगमता होगी।

पर्यटन मंत्री सतपाल महाराज ने कहा कि यह समझौता राज्य में पर्यटन के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभायेगा। इन रोपवे के निर्माण के बाद स्थानीय स्तर पर लोगों की आर्थिकी और रोजगार में वृद्धि होगी।

शिक्षक एक साथ ले पाएंगे 12 दिन की छुट्टी

देहरादून। सरकारी माध्यमिक स्कूलों में तैनात अतिथि शिक्षकों को अब 12 आकस्मिक अवकाश मिलेंगे। अभी तक अतिथि शिक्षकों को महीने में सिर्फ एक अवकाश मिल पाता था, लेकिन अब वे अपनी छुट्टियों को एक साथ ले पाएंगे। अतिथि शिक्षकों को अभी तक महीने में एक दिन से अधिक का आकस्मिक अवकाश नहीं मिल रहा था। ऐसे में एक दिन से अधिक छुट्टी पर रहने की स्थिति में वेतन से कटौती तक हो जा रही थी। किसी इमरजेंसी में लंबे छुट्टी पर चले गए तो नौकरी पर बन आ रही थी। ऐसे में आकस्मिक अवकाश को लेकर अतिथि शिक्षक काफी परेशान थे। किसी महीने अवकाश नहीं लिया तो उसका लाभ आगे की छुट्टी में नहीं मिल रहा था। उल्टा विभाग ने अतिथि शिक्षकों के अवकाश को लेकर गंभीर चेतावनी तक जारी की थी। इसमें वेतन कटौती से लेकर सेवा समाप्ति तक की शर्त को उनके अवकाश के साथ जोड़ दिया गया था। सख्ती के बीच छुट्टियों को लेकर आ रही व्यावहारिक दिक्कत को अब दूर कर लिया गया है। माध्यमिक शिक्षा निदेशक डॉ.मुकुल कुमार सती ने सभी मुख्य शिक्षा अधिकारियों को आदेश जारी कर अतिथि शिक्षकों को हर महीने एक अवकाश की दर से साल में कुल 12 अवकाश देने के आदेश दिए हैं।

धौला तप्पड़ में 10 मकान ध्वस्त, लोगों ने छोड़े अपने घर

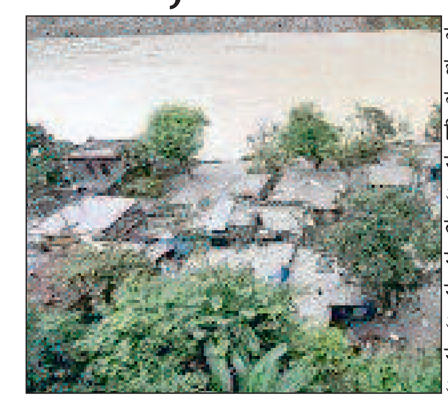

विकासनगर। क्षेत्र में हो रही भारी बारिश के कारण कुल्हाल पंचायत की धौला तप्पड़ बस्ती पर खतरा मंडराने लगा है। खाले के उफनाने और यमुना बस्ती में लगातार भू कटाव हो रहा है। बस्ती में 10 मकान ध्वस्त हो गए हैं। इसके साथ ही बरसाती नाले के उफान पर आने से सड़क बह गई है। बीते दो दिन से बस्ती के 80 परिवार खतरे के साए में रह रहे हैं। मंगलवार को बस्ती निवासी गुलाम हुसैन, अयूब, मेहकमदीन, अब्दलु कादिर, रमजान, वजीर, इमाम हुसैन, कालू, लियाकत, गुलाम रसूल के आवास ध्वस्त हो गए हैं। प्रभावितों का कहना है कि मकानों के ध्वस्त होने के साथ ही यमुना से हो रहा कटाव बस्ती तक पहुंच गया है, जिससे अन्य लोगों के मकान भी खतरे की जद में आ गए हैं। मुख्य आबादी से दस किमी दूर बस्ती में लोग डर के साए में रहने को मजबूर हैं। बताया कि लगातार हो रही बारिश के कारण वे रात को अपने घरों को छोड़कर सुरक्षित स्थानों पर रह रहे हैं। बताया कि अब बस्ती को जाने वाली एकमात्र सड़क भी बरसाती चुकी है। बताया कि बस्ती के ऊपर से बरसाती नाले का बहाव बस्ती की ओर हो गया है, जबकि नीचे की ओर से यमुना कटाव बस्ती तक पहुंच रहा है। बस्ती के लोगों ने कहा कि अगर एक दो दिन बारिश जारी रही तो भारी नुकसान हो सकता है। प्रशासन को कटाव को रोकने के लिए उचित प्रबंध करने चाहिए। उन्होंने प्रशासन से पानी के बहाव को मोड़ने के लिए यमुना में चैनल बनाने की मांग की है। उधर, एसडीएम विनोद कुमार ने बताया कि सभी प्रभावितों को उचित सहायता मुहैया कराई जा रही है।

प्रधानमंत्री मोदी ने अमेरिकी टैरिफ के बीच दिया बड़ा बयान, कहा-हमें कोई नहीं रोक सकता

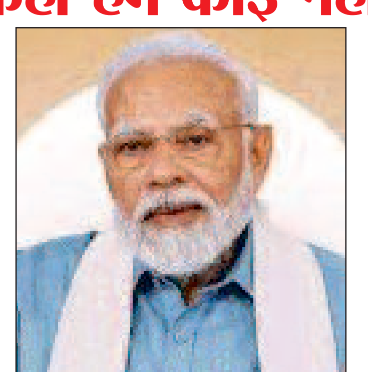

नईदिल्ली, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अमेरिका की ओर से लगाए गए 50 प्रतिशत टैरिफ के बाद दोनों देशों में बढ़े तनाव के बीच मंगलवार को बड़ा बयान दिया है। उन्होंने सेमीकॉन इंडिया कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि हाल ही में जारी सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के आंकड़ों आंकड़ों ने साबित कर दिया है कि भारत ने हर उम्मीद और अनुमान से बढ़कर प्रदर्शन किया है और अब देश को कोई नहीं रोक सकता है।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, पहली तिमाही के जीडीपी आंकड़ों ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि भारत ने हर उम्मीद और अनुमान से बढ़कर प्रदर्शन किया है। एक ओर दुनिया की कई अर्थव्यवस्थाएं अनिश्चितता और आर्थिक स्वार्थ से जुड़ी चुनौतियों का सामना कर रही हैं। इसके बाद भी ऐसे माहौल में भारत ने 7.8 प्रतिशत की उल्लेखनीय विकास दर हासिल की है। बता दें कि जीडीपी में यह सुधार अमेरिकी से बढ़े तनाव के बीच आया है।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, यहां दुनिया भर के सेमीकंडक्टर से जुड़े विशेषज्ञ मौजूद हैं। 40–50 देशों का प्रतिनिधित्व यहां है और भारत का इनोवेशन और युवा शक्ति भी यहां दिखाई दे रही है। इस संयोजन का एक ही संदेश है कि दुनिया भारत पर भरोसा करती है और दुनिया भारत के साथ सेमीकंडक्टर का भविष्य बनाने के लिए तैयार है। बता दें कि जीडीपी वृद्धि ने भारत के खिलाफ ट्रंप की मृत अर्थव्यवस्था वाली टिप्पणी को भी खारिज कर दिया। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, हमारी पिछली शताब्दी तेल से प्रभावित थी, लेकिन 21वीं सदी की ताकत छोटी सी चिप में सिमटी है। तेल काला सोना था, लेकिन अब चिप्स (सेमीकंडक्टर) डिजिटल हीरे हैं। सेमीकंडक्टर का वैश्विक बाजार कुछ वर्षों में यह 1,000 अरब डॉलर को पार कर जाएगा। इसमें भारत की महत्वपूर्ण हिस्सेदारी होने वाली है। उन्होंने कहा, वह दिन दूर नहीं जब भारत की सबसे छोटी चिप दुनिया में बड़ा बदलाव लाएगी। अब हमें कोई रोक नहीं सकता।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, वर्ष 2021 में हमने सेमीकॉन इंडिया कार्यक्रम शुरू किया था। उसके बाद वर्ष 2023 तक भारत का पहला सेमीकंडक्टर प्लांट स्वीकृत किया गया। इसके बाद साल 2024 में हमने अतिरिक्त प्लांट्स को मंजूरी दी और 2025 में हमने 5 अतिरिक्त परियोजनाओं को मंजूरी दे दी। उन्होंने कहा, कुल मिलाकर 10 सेमीकंडक्टर परियोजनाओं में 1.5 लाख करोड़ रुपये से अधिक का निवेश किया जा रहा है।

दो वोटर आईडी रखने के लिए कांग्रेस नेता पवन खेड़ा को चुनाव आयोग का नोटिस

नईदिल्ली , चुनाव आयोग ने भाजपा नेताओं के दावे पर त्वरित कार्रवाई करते हुए कांग्रेस की मीडिया और पब्लिकसिटी विभाग के चेयरमैन पवन खेड़ा को नोटिस जारी किया है। नई दिल्ली के जिला निर्वाचन कार्यालय ने यह नोटिस कानूनों का उल्लंघन कर एक से अधिक निर्वाचन क्षेत्रों में मतदाता पंजीकरण रखने के आरोप में जारी किया है। नोटिस के अनुसार, खेड़ा का नाम कई निर्वाचन क्षेत्रों की मतदाता सूची में दर्ज है, जिसके कारण आयोग ने मामले का संज्ञान लिया है।

जनप्रतिनिधित्व अधिनियम के तहत भेजे गए नोटिस में आयोग ने खेड़ा को 8 सितंबर को सुबह 11 बजे तक आरोपों का जवाब देने का निर्देश दिया गया है। आयोग का कहना है कि जवाब न देने पर खेड़ा के खिलाफ उचित कार्रवाई शुरू की जा सकती है। इस पर खेड़ा ने उल्टा सवाल किया कि उन्होंने 2016 में एक निर्वाचन क्षेत्र से नाम कटवाने का आवेदन किया था, अभी तक नाम क्यों नहीं काटा गया है।

धंधे के लिए ट्रंप ने जोड़ा इस्लामाबाद से रिश्ता, तोड़ा इंडिया का दिल

यूएस के फॉर्मर एनएसए जेक सुलिवन का खुलासा

वॉशिंगटन डीसी, पूर्व अमेरिकी राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) जेक सुलिवन ने आरोप लगाया कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पाकिस्तान द्वारा ट्रंप के परिवार के साथ व्यापार करने की इच्छा के कारण भारत के साथ संबंध तोड़ दिए.मीडासटच नेटवर्क के यूट्यूब चैनल को दिए एक साक्षात्कार में, सुलिवन ने भारत–अमेरिका संबंधों के महत्व पर प्रकाश डाला और इस बात पर जोर दिया कि ट्रंप का यह कदम अमेरिका के सहयोगियों के वाशिंगटन पर विश्वास को कम करता है.

जेक सुलिवन ने मीडासटच को बताया, अमेरिका ने भारत के साथ संबंध बनाने के लिए काम किया है, एक ऐसा देश जिसके साथ हमें तकनीक, प्रतिभा, अर्थशास्त्र और कई मुद्दों पर तालमेल बिठाना चाहिए. और चीन से आने वाले रणनीतिक खतरों से निपटने के लिए भी. अब, मुझे लगता है कि पाकिस्तान की ट्रंप परिवार के साथ व्यापार करने की इच्छा के कारण, ट्रंप ने भारत के साथ संबंधों को दरकिनार कर दिया है. जर्मनी या जापान उस (भारत) को देखेंगे और कहेंगे कि कल हम भी ऐसा कर सकते हैं. अमेरिका के दोस्त सोचेंगे कि वे किसी भी तरह से हम पर भरोसा नहीं कर सकते. सुलिवन की यह टिप्पणी वाशिंगटन और नई दिल्ली के बीच बढ़ते तनाव के बीच आई है, क्योंकि भारतीय वस्तुओं पर 50 प्रतिशत टैरिफ लगाया गया है. इसमें रूसी तेल खरीदने पर 25 प्रतिशत का जुर्माना भी शामिल है. इससे पहले, अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट ने विश्वास व्यक्त किया था कि भारत और अमेरिका अपने बीच व्यापार तनाव को सुलझा लेंगे, क्योंकि उनका मानना था कि नई दिल्ली के मूल्य चीन और रूस की तुलना में वाशिंगटन के ज़्यादा करीब हैं.

फॉक्स बिजनेस को दिए एक साक्षात्कार में, स्कॉट बेसेंट ने शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) शिखर सम्मेलन के महत्व को कम करके आंका और इसे काफी हद तक औपचारिक बताया. बेसेंट ने कहा, यह एक लंबे समय से चली आ रही बैठक है, इसे शंघाई सहयोग संगठन कहा जाता है और मुझे लगता है कि यह काफी हद तक औपचारिक है.

बारिश के चलते पटरी से उतरी शिक्षा व्यवस्था .. बच्चों का हो रहा नुकसान

देहरादून। उत्तराखंड में बारिश ने शिक्षा व्यवस्था को पूरी तरह से पटरी से उतार दिया है सिर्फ भारी बारिश के अलर्ट पर देहरादून जिले में ही जुलाई से लेकर दो सितंबर तक 12 दिन की छुट्टियां हो चुकी हैं। उत्तरकाशी, चमोली और रुद्रप्रयाग जैसे आपदाग्रस्त जिलों में तो इन छुट्टियों की संख्या 20 से अधिक हो गई है। एक अप्रैल से नया शैक्षणिक सत्र शुरू होने के साथ प्राइवेट स्कूलों में 10 अप्रैल तक नई कक्षा में पढ़ाई शुरू हो गई थीं। जबकि सरकारी स्कूल जुलाई तक किताबों का इंतजार करते रहे। फिर बारिश ने रफ्तार पकड़ी तो बाढ़ भूस्खलन की आशंका के बीच छुट्टियां होनी लगी। अगस्त का आधा महीना तो छुट्टियों में ही चला गया। जबकि शैक्षिक कैलेंडर के हिसाब से अगस्त में 23 दिन स्कूल खुलने चाहिए थे। ऐसी स्थिति में मासिक और सेशनल परीक्षाएं तक अटक गईं। उत्तराखंड बोर्ड परीक्षा के फार्म अभी तक नहीं भरे जा सके हैं और अंतिम तिथि 10 सितंबर तक बढ़ानी पड़ी है। माध्यमिक स्कूलों पर भारी पड़ी हड़ताल अगस्त महीने में जिन दिनों स्कूलों में पढ़ाई हुई, उन दिनों सरकारी माध्यमिक स्कूलों में शिक्षक हड़ताल पर रहे। 18 अगस्त से शुरू हुई हड़ताल 30 को जाकर खत्म हुई। 01 सितंबर से शिक्षकों ने स्कूलों में पढ़ाना था, लेकिन अधिकांश जिलों में बारिश के चलते स्कूल बंद कर दिए गए।

निजी स्कूल ऑनलाइन से पूरी कर रहे कमीः बारिश की छुट्टियों के बीच निजी स्कूल ऑनलाइन क्लास चला रहे हैं, फिर भी स्कूल दिन के हिसाब से तय पूरे वादन नहीं पढ़ा पा रहे हैं। वहीं, सरकारी स्कूलों में पढ़ाई के प्रति गंभीर शिक्षक ही खुद पहल कर छात्रों को ऑनलाइन पढ़ा रहे हैं, विभाग ने अलग से ऐसी कोई व्यवस्था नहीं बनाई है। स्कूलों में पढ़ाई के लिए तय है 240 दिन स्कूलों के शैक्षिक कैलेंडर में पढ़ाई के 240 दिन तय हैं। जबकि रविवार समेत अन्य सार्वजनिक अवकाश 77 हैं और शीतकालीन या ग्रीष्मकालीन अवकाश के 48 दिन हैं। इन सबके अलावा प्रधानाध्यापक और जिलाधिकारी अपने–अपने स्तर पर तीन–तीन दिन अवकाश स्वीकृत कर सकते हैं। जबकि मौसम चेतावनी को देखते हुए अवकाश अलग से घोषित किए जा रहे हैं। गर्मी या ठंड की छुट्टियों में कटौती की वकालत इस साल ग्रीष्मकालीन स्कूलों में गर्मियों की 35 और सर्दियों की 13, शीतकालीन स्कूलों में सर्दियों की 37 और गर्मियों की 11 छुट्टियां हैं। गर्मी में हीट वेब अलर्ट और सर्दियों के कोल्ड डे कंडिशन पर भी कई बार छुट्टियां अलग से करनी पड़ती हैं। फिलहाल उत्तराखंड में बरसात में बन रहे हालात के बीच गर्मी या सर्दी की छुट्टियों में कटौती कर 10 दिन मानसून अवकाश देने पर विचार किया जा रहा है।

मेरठ, मुजफ्फरनगर, शामली में मकान और पेड़ गिरे, 3 लोगों की मौत

मेरठ ,भारी बारिश के कारण वेस्ट यूपी के जिलों में जनजीवन अस्तव्यस्त हो गया। मेरठ में बारिश के दौरान मकान और पेड़ गिर गए, जिसमें तीन लोगों की मौत हो गई।

मौसम विभाग ने आज भी भारी बारिश की संभावना व्यक्त की है। जिसको देखते हुए मेरठ और मुजफ्फरनगर डीएम ने कक्षा आठ तक के सभी स्कूलों की छुट्टी घोषित की है। मेरठ के बहसूमा क्षेत्र में रहमापुर में बरसात के दौरान पेड़ गिरने से बाइक सवार लाला (38) निवासी अकबरपुर सादात और सलमान (35) निवासी नगला साहू थाना निवाड़ी जनपद गाजियाबाद की मौत हो गई। दौराला थाना क्षेत्र के अझोता गांव में तेज बारिश में कच्चा मकान गिरने से मलबे में दबकर 80 वर्षीय वृद्ध बालू की मौत हो गई। चार घंटे में ही शहर में 81 मिमी बारिश रिकॉर्ड की गई।

637 करोड़ के बैंक फ्रॉड में ईडी की बड़ी कार्रवाई

चेन्नई, कोलकाता और गोवा में बड़ी छापेमारी

नई दिल्ली,प्रवर्तन निदेशालय ने 637 करोड़ के बैंक धोखाधड़ी मामले में अरविंद रेमेडीज लिमिटेड और इसके प्रमोटर अरविंद बी. शाह से जुड़े ठिकानों पर छापेमारी की है। इस सिलसिले में चेन्नई, कोलकाता और गोवा में छापेमारी की कार्रवाई चल रही है। यह मामला पंजाब नेशनल बैंक की शिकायत के बाद सामने आया। पीएनबी ने सीबीआई में शिकायत दर्ज कराई थी कि अरविंद रेमेडीज लिमिटेड और उसके प्रमोटरों ने बैंकिंग सिस्टम को करीब 637 करोड़ का चूना लगाया है। यह धोखाधड़ी सिर्फ पीएनबी तक सीमित नहीं थी, बल्कि यूनाइटेड बैंक ऑफ इंडिया, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, आईडीबीआई बैंक, इलाहाबाद बैंक, करुर वैश्य बैंक, इंडियन ओवरसीज बैंक और कॉर्पोरेशन बैंक जैसे अन्य बैंकों के साथ भी की गई। इन सभी बैंकों ने कंपनी को कुल 704 करोड़ से ज्यादा का लोन दिया था।

जांच में पता चला है कि कंपनी ने लोन की रकम को कारोबार में लगाने के बजाय, उसे फर्जी कंपनियों (शेल कंपनियों) और बेनामी खातों के जरिए निकाल लिया।

राहुल गांधी पप्पू नहीं, बल्कि सोची–समझी साजिश का हिस्सा हैं: रिजिजू

नई दिल्ली,केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने मंगलवार को कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी पप्पू नहीं हैं और दावा किया कि वह राष्ट्र विरोधी ताकतों की सोची–समझी साजिश का हिस्सा हैं. पप्पू 2014 के लोकसभा चुनावों के दौरान विपक्ष के नेता राहुल गांधी का उपनाम बन गया था. रिजिजू की यह टिप्पणी उस समय आई जब उनसे पूछा गया कि विपक्ष के नेता राहुल गांधी के नेतृत्व में विपक्ष चुनाव आयोग द्वारा बिहार मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) का विरोध क्यों कर रहा था और संसद के हाल ही में समाप्त हुए मानसून सत्र के दौरान हर दिन हंगामा क्यों कर रहा था.

वह मूर्खतापूर्ण काम नहीं कर रहे हैं. ये सब एक सोची–समझी साज़िश का हिस्सा हैं. लोग राहुल गांधी को पप्पू कहते हैं. हम नहीं कहते हैं. अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के वरिष्ठ सचिवों, यानी कांग्रेस सदस्यों ने ही उन्हें यह नाम दिया था. मुझे नहीं लगता कि वह मूर्ख हैं.

नागपुर से कोलकाता के लिए रवाना इंडिगो के विमान से पक्षी टकराया, आपातकालीन लैंडिंग

नागपुर, महाराष्ट्र के नागपुर से पश्चिम बंगाल के कोलकाता के लिए रवाना इंडिगो के विमान को आपाताकालीन परिस्थितियों में वापस लौटना पड़ा। दरअसल, आसमान में एक पक्षी के टकराने के बाद पायलट ने विमान को वापस नागपुर लौटाने का फैसला किया। विमान में 272 यात्री सवार थे। विमान नागपुर हवाई अड्डे पर सुरक्षित उतर गया है। घटना की जांच के आदेश दिए गए हैं। नागपुर हवाई अड्डे के वरिष्ठ हवाई अड्डा निदेशक आबिद रूही ने बताया कि इंडिगो की 6ई812 नागपुर–कोलकाता उड़ान मंगलवार को रवाना हुआ था। कुछ देर बाद विमान के वापस आने की सूचना मिली। हालांकि, उसे सुरक्षित हवाई अड्डे पर उतार लिया गया है। उन्होंने बताया कि किसी पक्षी के टकराने की आशंका है। हवाई अड्डे के अधिकारी विश्लेषण करने की कोशिश कर रहे हैं कि आखिर हुआ क्या था। पक्षी टकराने से विमान का अगला हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया है। 31 अगस्त को एयर इंडिया के साथ बड़ा हादसा होते–होते बचा था।

आरोपी उमर खालिद, शरजील इमाम समेत नौ आरोपियों की जमानत याचिका खारिज

–दिल्ली दंगा 2020

नई दिल्ली,। दिल्ली हाईकोर्ट ने दिल्ली दंगों की साजिश रचने के आरोपियों उमर खालिद और शरजील इमाम समेत नौ आरोपियों की जमानत याचिका खारिज कर दिया है. जस्टिस नवीन चावला की अध्यक्षता वाली बेंच ने जमानत याचिकाओं को खारिज करने का आदेश दिया. इससे पहले हाईकोर्ट ने सभी नौ आरोपियों की जमानत याचिका पर 9 जुलाई को फैसला सुरक्षित रख लिया था.

हाईकोर्ट ने उमर खालिद और शरजील इमाम समेत जिन आरोपियों की जमानत याचिका खारिज करने का आदेश दिया है, उनमें अतहर खान, अब्दुल खालिद सैफी, मोहम्मद सलीम खान, शिफा उर रहमान, मीरान हैदर, गुलफिशा फातिमा और शादाब अहमद शामिल हैं.जमानत याचिकाओं पर सुनवाई के दौरान दिल्ली पुलिस की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा था कि अगर आरोपी देश के खिलाफ कार्रवाई करे तो उनके लिए बेहतर जगह जेल ही है. मेहता ने कहा था कि दिल्ली में दंगे पूर्व नियोजित थे. दंगों की जिस तरह से योजना बनाई गई थी वो किसी को जमानत का हक नहीं देता है. ये कोई साधारण अपराध नहीं है बल्कि सुनियोजित दंगों की साजिश रचने का मामला है. मेहता ने कहा था कि दंगों की साजिश रचने के आरोपी इसका प्रभाव पूरे देश में देखना चाहते थे. आरोपी उमर खालिद की ओर से कहा गया था कि महज व्हाट्स ऐप ग्रुप का सदस्य होना किसी अपराध में शामिल होने का सबूत नहीं है. उमर खालिद की ओर से पेश वकील त्रिदिप पेस ने दिल्ली पुलिस की ओर से साक्ष्य के तौर पर पेश किए गए व्हाट्स ऐप ग्रुप चैटिंग पर कहा था कि उमर खालिद तीन व्हाट्स ऐप ग्रुप में शामिल जरुर था लेकिन शायद ही किसी ग्रुप में मैसेज भेजा हो. उन्होंने कहा था कि किसी व्हाट्स ऐप ग्रुप में शामिल होना भर किसी गलती का संकेत नहीं है. उन्होंने कहा था कि उमर खालिद ने किसी के पूछने पर केवल विरोध स्थल का लोकेशन शेयर किया था.आरोपी मीरान हैदर की ओर से पेश वकील ने सुनवाई के दौरान कहा था कि उसने न तो किसी बैठक में हिस्सा लिया था और न ही किसी वैसे चैट ग्रुप का हिस्सा था जहां हिंसा भड़काने की साजिश पर कोई बात हुई हो. उन्होंने कहा कि मीरान हैदर एक युवा नेता था और जामिया विश्वविद्यालय का छात्र था.

सम्पादकीय

मोदी सरकार की संकल्प–शक्ति का इम्तहान

बेशक, स्वस्थ स्थिति यह होगी कि ऑनलाइन गेमिंग इंडस्ट्री में रोजगार–शुदा लोगों के पुनर्वास की उचित व्यवस्था की जाए। लेकिन उसे पूर्व शर्त बना कर इस कारोबार से करोड़ों की बदहाली बढ़ाते जाना किसी स्वस्थ समाज को मंजूर नहीं हो सकता। ऑनलाइन गेमिंग इंडस्ट्री का बड़ा हिस्सा संगठित जुआ बना हुआ है। इसलिए इसे प्रतिबंधित करने के लिए लाए गए विधेयक को देर से, लेकिन सही दिशा में उठाया गया कदम माना जाएगा। यह भी स्वागतयोग्य है कि इसके दायरे में उन ऑनलाइन गेम्स को नहीं रखा गया है, जिसमें पैसे का लेन–देन नहीं होता। बहरहाल, इस इंडस्ट्री से बहुत बड़े स्वार्थ जुड़े हुए हैं। इसलिए बिल पारित होने के बाद भी प्रस्तावित कानून के प्रभावी ढंग से लागू हो पाने को लेकर आशंकाएं बरकरार हैं। गेमिंग इंडस्ट्री इसे न्यायपालिका में चुनौती देने की तैयारी में है। इसके अलावा उसने प्रोमोशन एंड रेगुलेशन ऑफ ऑनलाइन गेमिंग बिल 2025 के खिलाफ सरकार और अधिकारियों को प्रभावित करने के लिए बड़े पैमाने पर लॉबिंग शुरू कर दी है। इसलिए प्रस्तावित कानून को लागू करना नरेंद्र मोदी सरकार की संकल्प–शक्ति का एक बड़ा इम्तहान होगा। खुद सरकार ने बताया है कि देश के युवाओं में ऑनलाइन गेमिंग की लत बढ़ती चली गई है। इस कारण हर साल 45 करोड़ लोग पैसा गंवाते हैं। ऑनलाइन गेम में पैसा लगाने के लिए घरों के भीतर कलेश और हिंसा के मामले बढ़ते चले गए हैं। कई आत्म–हत्याओं की खबरें भी हर साल आती हैं। लोगों की इसी बदहाली की कीमत पर गेमिंग इंडस्ट्री फूल–फल रही है। उसके संचालकों का दावा है कि यह कारोबार इतना बड़ा हो चुका है कि इस इंडस्ट्री में दो लाख लोगों को रोजगार मिला हुआ है। इस कारोबार के जरिए इंडस्ट्री हर साल 20 हजार करोड़ रुपए का टैक्स सरकार को देती है। मगर सरकार को ऐसी दलीलों से प्रभावित नहीं होना चाहिए। फिलहाल उसने राजस्व पर सामाजिक हित को तरजीह देने का रुख लिया है, जिस पर उसे कायम रहना चाहिए। सामाजिक बुराई को फैलाने वाले हर कारोबार से कुछ लोगों की रोजी–रोटी चलती है। बुराई को जब कभी रोका जाएगा, ऐसे लोगों को नुकसान होगा। बेशक, स्वस्थ स्थिति यह होगी कि उनके पुनर्वास की उचित व्यवस्था की जाए, लेकिन उसे पूर्व शर्त बना कर जुआ जैसे कारोबार से करोड़ों की बदहाली बढ़ाते रहना किसी स्वस्थ समाज को कतई मंजूर नहीं हो सकता।

ट्रंप प्रशासन की नीति को प्रभावित करना मुश्किल

यह अच्छी खबर है, क्योंकि भारत में ट्रंप का दूत एक ऐसा व्यक्ति होगा, जो उनका खास विश्वस्त है। मगर पेच यह है कि ट्रंप ने गोर को दक्षिण और मध्य एशिया के लिए विशेष दूत भी बना दिया है।

डॉनल्ड ट्रंप ने अपने निजी विश्वस्त और मागा (मेक अमेरिका ग्रेट अगेन) आंदोलन के प्रमुख संगठनकर्ताओं में से एक सर्जियो गोर को भारत में अमेरिका का राजदूत मनोनीत किया है। एक नजरिए से यह अच्छी खबर है, क्योंकि भारत में उनका दूत एक ऐसा व्यक्ति होगा, जो सीधे उनसे फोन मिलाने की हैसियत रखता है। मगर पेच यह है कि ट्रंप ने साथ ही गोर को दक्षिण और मध्य एशिया के लिए विशेष दूत भी नियुक्त कर दिया है। यानी उन्होंने भारत को इन क्षेत्रों से संबंधित देशों के साथ एक समूह में रखा है। मतलब यह कि उनकी रणनीति में भारत इतना महत्वपूर्ण नहीं है कि यहां के लिए एक विशिष्ट राजदूत की नियुक्ति की जाए। सर्जियो गोर के कार्यक्षेत्र में जो देश आएंगे, उनमें पाकिस्तान और अफगानिस्तान भी हैं। ऐसी चर्चा है कि ट्रंप इस क्षेत्र की अपनी सुरक्षा रणनीति में पाकिस्तान को खास अहमियत दे रहे हैं, क्योंकि वे उसकी अफगानिस्तान में स्थिरता लाने में महत्वपूर्ण भूमिका देखते हैं। इसके अलावा ट्रंप प्रशासन पाकिस्तान का उपयोग ईरान और चीन से अंदरूनी संपर्क बनाए रखने के माध्यम रूप में भी करना चाहता है। ऐसे में आशंका यह है कि सर्जियो गोर भारत और पाकिस्तान को समान पलड़े पर रखने की नीति पर चल सकते हैं। इससे भारत की चुनौतियां बढ़ सकती हैं। जहां तक आर्थिक मामलों में अमेरिका से संबंध बेहतर करने में गोर की भूमिका का प्रश्न है, तो बेशक ट्रंप तक उनकी सीधी पहुंच इस दिशा में सहायक हो सकती है।

मेड इन इंडिया उत्पाद खरीदने का आह्वान

अजीत द्विवेदी

भारत में एक और स्वदेशी आंदोलन का आह्वान किया जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लाल किले से अपने भाषण में इसका आह्वान किया और अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से लगाए गए अतिरिक्त 25 फीसदी टैरिफ लागू होने से पहले यानी 27 अगस्त से पहले उन्होंने कई बार यह आह्वान दोहराया। उन्होंने देश के लोगों से अपने देश में बनी वस्तुओं का इस्तेमाल करने की अपील की। इतना ही नहीं उन्होंने भारत के कारोबारियों से आह्वान किया कि वे देश में बना सामान बेचें। इसके बाद उन्होंने कारोबारियों से आह्वान किया कि वे अपनी दुकान के ऊपर बोर्ड लगाएं कि, 'यहां स्वदेशी सामान बिकता हैङ। प्रधानमंत्री की अपील थी, 'यह त्योहारों का मौसम है। अब नवरात्रि, विजयादशमी, धनतेरस, दिवालीज् ये सभी त्योहार आ रहे हैं। ये हमारी संस्कृति के उत्सव हैं, लेकिन ये आत्मनिर्भरता के भी उत्सव होने चाहिए। इसलिए, मैं आपसे एक बार फिर आग्रह करता हूं कि हमें अपने जीवन में एक मंत्र अपनाना होगा, हम जो भी खरीदेंगे वह 'मेड इन इंडियाङ होगा, स्वदेशी होगाङ।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पिछले 11 साल से आत्मनिर्भर भारत बनाने की बात कर रहे हैं। वे पिछले 10 साल से 'मेक इन इंडियाङ अभियान चला रहे हैं और अब स्वदेशी आंदोलन 2.0 का ऐलान करते हुए लोगों को 'मेड इन इंडियाङ उत्पाद खरीदने का आह्वान कर रहे हैं। सवाल है कि पिछले 11 साल में भारत अपनी जरुरतों के मामले में कितना आत्मनिर्भर हुआ है? इसका जवाब यह कि इस अवधि में आत्मनिर्भर होने की बजाय दूसरे देशों पर भारत की निर्भरता बढ़ती गई है। देश के नागरिक रोजमर्रा की जरुरत की चीजों के लिए चीन और दूसरे देशों पर निर्भर हो गए हैं।

चीन के साथ भारत का कारोबार दिन दूनी रात चौगुनी रफ्तार से बढ़ा है और उसी अनुपात में व्यापार घाटा भी बढ़ा है। भारत का तेल आयात 2014 में 80 फीसदी के करीब था, जो बढ़ कर 82 फीसदी हो गया है। वैकल्पिक ऊर्जा के तमाम उपायों के बावजूद भारत अपनी ऊर्जा जरुरतों के लिए दूसरे देशों पर ज्यादा निर्भर हो गया है। सिर्फ इस साल में अमेरिका से हमारी ऊर्जा खरीद पिछले साल के मुकाबले दोगुनी हो गई है। हम जो चीजें बनाने का दावा कर रहे हैं उनके भी जरूरी कंपोनेंट दुनिया के दूसरे देशों से आ रहे हैं।

हालांकि अब आत्मिर्भरता की परिभाषा वही नहीं है, जो डेढ़ सौ साल पहले भारत के पहले स्वदेशी आंदोलन के समय थी। वास्तविकता यह है कि वर्तमान विश्व में कोई भी देश अपने को आत्मनिर्भर नहीं बना सकता है और न आत्मनिर्भर होने का दावा कर सकता है। अमेरिका और चीन भी अपवाद नहीं हैं। उनका काम भी दुनिया के बगैर नहीं चल सकता है। दुनिया एक गांव में बदल गई है, जिसमें सब एक दूसरे से जुड़े हैं और सबको एक दूसरे की जरुरत है।

मनुष्य के संबंध में महान दार्शनिक अरस्तू ने कहा था, 'मनुष्य एक सामाजिक प्राणी हैज्..अगर कोई समाज में रहने में अक्षम है या समझता है कि उसे किसी की जरुरत नहीं है क्योंकि वह अपने लिए सक्षम है तो वह या तो राक्षस है या देवताङ। उसी तरह आज की दुनिया में देशों के लिए कहा जा सकता है। आज कोई भी देश यह कहने की स्थिति में नहीं है कि उसे किसी की जरुरत नहीं है और वह अपने लिए सक्षम है। सवाल है कि ऐसे विश्व में आत्मनिर्भरता का क्या अर्थ है? ऐसे विश्व में आत्मनिर्भरता का अर्थ बराबरी का संबंध है, जिसमें बेचारगी नहीं होनी चाहिए और यह तब होगा, जब किसी और तरीके से आप भी

सक्षम होंगे। अगर आप कुछ खरीद रहे हैं तो आपके पास कुछ बेचने के लिए भी होना चाहिए। समानों के बीच ज्यादा समानता होती है, इसका हमेशा ध्यान रखना चाहिए।

दुर्भाग्य से पिछले 11 साल से सिर्फ बातें हुई हैं और इस दौरान देश और इसके नागरिकों को सक्षम बनाने की बजाय उनको सरकारी राहतों और सरकार की कृपा पर निर्भर बनाया गया है। भारत में अमेरिका की तरह बड़ा कॉरपोरेशन बनाने की मूर्खतापूर्ण सोच में देश में पहले से चल रहे छोटे छोटे उद्यमों को हतोत्साहित करके या मनमाने आर्थिक फैसलों व नीतियों के जरिए बंद करा दिया गया। नतीजा यह हुआ कि देश के लघु, सूक्ष्म और मझोले उद्यमी कारोबारी बन गए। उन्होंने अपना उद्यम बंद कर दिया और चीन व दूसरे देशों से सामान लाकर बेचने लगे। इससे भारत की निर्भरता चीन और दूसरे देशों पर बढ़ती गई।

भारत उद्यमियों की बजाय कारोबारियों का देश बन गया। इससे देश में अमीरी नहीं आई और न उपभोग बढ़ा। जानकर हैरानी होगी कि दुनिया की सबसे बड़ी आबादी वाले देश की दुनिया के कुल उपभोग में हिस्सा सिर्फ नौ फीसदी है। सोचें, दुनिया का हर छठा आदमी भारतीय है लेकिन दुनिया सौ रुपया खर्च करती है तो उसमें सिर्फ नौ रुपया भारतीय लोग खर्च करते हैं, जो कम से कम 16 रुपया होना चाहिए। सो, स्थिति यह है कि भारत न उत्पादन कर रहा है और न आबादी के अनुपात में उपभोग कर रहा है। अगर हम उपभोग ज्यादा कर रहे होते तब भी दुनिया झुकती।

आमतौर पर लोग मानते हैं कि भारत में स्वदेशी की शुरुआत महात्मा गांधी ने की थी लेकिन ऐसा नहीं है। महात्मा गांधी ने स्वदेशी को 'स्वराज की आत्माङ कहा था। लेकिन इसकी शुरुआत जिस समय हुई थी उस समय मोहनदास करमचंद गांधी सिर्फ तीन साल के थे। 1872 में पश्चिम बंगाल और पंजाब के महान स्वतंत्रता सेनानियों और विचारकों ने इसका सिद्धांत दिया था। बंकिमचंद्र चटोपाध्याय ने 'बंगदर्शनङ के एक अंक में लिखा था, 'जो विज्ञान स्वदेशी होने पर हमारा दास होता, वह विदेशी होने के कारण हमारा प्रभु बन बैठा है। हमलोग दिन ब दिन साधनहीन होते जा रहे हैंङ। इसके बाद स्वदेशी को इस रूप में परिभाषित किया गया कि इसमें किसी किस्म का बलप्रयोग नहीं होगा, बल्कि सर्वाधिक कारगर 'नैतिक शत्रुताङ के अस्त्र से लड़ा जाएगा। 1905 में बंगाल विभाजन के समय स्वदेशी आंदोलन विरोध का एक कारगर अस्त्र बना और जब 1915 में महात्मा गांधी भारत आए तो उन्होंने लोगों से विदेशी वस्तुओं को त्यागने और स्वदेशी अपनाने का आह्वान किया।

यह ब्रिटिश हुकूमत से नैतिक शत्रुता की घोषणा थी, जिसका आह्वान नैतिकता के सर्वोच्च शिखर से महात्मा गांधी ने की थी। उन्होंने स्वंय विदेशी वस्तुओं का परित्याग किया। उनके साथ जुड़े तमाम कांग्रेस कार्यकर्ताओं और उनके घरों के लोगों ने विदेशी वस्तुओं का बहिष्कार किया। अंग्रेजी हुकूमत की ज्यादतियों से डरे बगैर सार्वजनिक स्थानों पर विदेशी वस्तुओं की होली जलाई गई।

क्या आज के भारत के नेताओं में ऐसा नैतिक बल है? क्या प्रधानमंत्री देश के सामने आकर कह सकते हैं कि वे विदेशी वस्तुओं का परित्याग कर रहे हैं और किसी भी विदेशी वस्तु का प्रयोग नहीं करेंगे? क्या उनकी कैबिनेट के सभी सदस्य एक साथ सामने आ कर अपने घर की विदेशी वस्तुओं की होली जला सकेंगे? क्या भारत के नेताओं की ऐसी नैतिक आभा है कि उनके आह्वान पर लोग विदेशी वस्तुओं का परित्याग करके स्वदेशी अपना लेंगे? इन सब सवालों का जवाब नकारात्मक है। ऐसा नहीं है कि नकारात्मक जवाब सिर्फ नैतिक कारणों से है। व्यावहारिक कारणों से भी अब एक सदी पहले जैसे हालात नहीं हैं कि कोई व्यक्ति या देश पूरी तरह से विदेशी का बहिष्कार कर सके।

स्वदेशी अपनाना और देश को आत्मनिर्भर बनाना सिर्फ नारों से संभव नहीं है और न किसी देश के साथ टैरिफ को लेकर चल रहे टकराव की तात्कालिकता में संभव है। यह एक दीर्घकालिक लक्ष्य है। इसके लिए छोटे छोटे कदम उठाने होंगे। कारोबारियों को फिर से उद्यमी बनाने के लिए सरकार को योजना शुरू करनी होगी। कारोबारियों को प्रोत्साहित करना होगा कि वे चीन से सामान लाकर बेचने की बजाय उन सामानों का उत्पादन करें। रोजमर्रा की जरुरत की छोटी छोटी वस्तुओं का उत्पादन अगर भारत में होने लगे तो सारा खेल पलट जाएगा। इसी तरह तकनीक में प्रयोगों को प्रोत्साहित किया जाना चाहिए।

विशाल और जटिल तकनीक की बजाय शुरुआत छोटी तकनीकों से हो सकती है। चीन की तरह भारत में अपना सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म विकसित हो सकता है। जरूरी कामकाज से लेकर मनोरंजन तक के ऐप तैयार हो सकते हैं। अपना सर्च इंजन बनाया जा सकता है। ई कॉमर्स के प्लेटफॉर्म विकसित हो सकते हैं। ध्यान रहे सर्विस सेक्टर में भारत अपने को बेहतर बनाए तो देशी कंपनियों को 140 करोड़ लोगों का बाजार मिलेगा। स्वदेशी अपनाने की दिखावे वाली अपील से पहले भारत में स्वदेशी वस्तुओं और सेवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित किए जाने की ज्यादा आवश्यकता है। यह प्रतीकात्मक मामला नहीं होना चाहिए और किसी देश पर दबाव डालने के लिए इतने इतने महान विचार का सतही इस्तेमाल भी नहीं किया जाना चाहिए।

मध्यप्रदेश के कण–कण में है सौंदर्य

–डॉ. मोहन यादव

भारत का हृदय प्रदेश मध्यप्रदेश अप्रतिम सौंदर्य से समृद्ध प्रदेश है। यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगी कि मध्यप्रदेश सर्वाधिक सम्मोहित करने वाला राज्य है। इसके कण–कण में सौंदर्य है। जो एक बार आता है यहां की स्मृतियों के सम्मोहन में बंधकर बार–बार आता है। मध्यप्रदेश में हर आयु के पर्यटकों को आकर्षित करने की क्षमता है।

पर्यटन के संबंध में दशकों पहले की अवधारणाएं अब समाप्त हो गई हैं। मध्यप्रदेश के पर्यटन ने अब उद्योग का रूप ले लिया है। हमारी नीतियों और दूरदर्शी निर्णयों से पर्यटन क्षेत्र का तेजी से विस्तार हो रहा है। यह सर्वमान्य तथ्य है कि अर्थव्यवस्था में पर्यटन सर्वाधिक रोजगार उत्पन्न करने वाला सैक्टर है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में अतुल्य भारत का वैश्विक स्तर पर मान–सम्मान बढ़ा है। इसका सकारात्मक प्रभाव सभी राज्यों के पर्यटन उद्योग पर पड़ा है। देश का घरेलू पर्यटन बढ़ने से मध्यप्रदेश जैसे तेजी से बढ़ते राज्य को सीधा लाभ हुआ है। मध्यप्रदेश के शांतिप्रिय नागरिकों के लिये सबसे ज्यादा खुशी की बात है कि मध्यप्रदेश अब वैश्विक पर्यटन नक्शे पर ध्रुव तारे जैसा चमक रहा है। हमारे पर्यटन की सबसे बड़ी विशेषता है कि यह अत्यंत समृद्ध और विविधता से सम्पन्न है। साथ ही जिम्मेदार और सुरक्षित भी। प्रदेश में पर्यटन की नई–नई शाखाएं उभरी हैं। प्राकृतिक पर्यटन हो या सांस्कृतिक पर्यटन, आध्यात्मिक पर्यटन हो या वन्यजीव पर्यटन, ग्रामीण पर्यटन हो या रोमांचकारी पर्यटन, कृषि पर्यटन हो या फिल्म पर्यटन या नया उभरता हुआ चिकित्सा पर्यटन। इन सभी नये स्वरूपों के साथ मध्यप्रदेश की पहचान बहु आयामी पर्यटन प्रदेश के रूप में हो रही है। प्रदेश में अब पर्यटकों की संख्या हर वर्ष बढ़ती जा रही है। गत वर्ष देश में सर्वाधिक पर्यटक मध्यप्रदेश में आए। नैसर्गिक सौन्दर्य, वन्य प्राणी, धार्मिक स्थल, आकर्षक ऐतिहासिक विरासतें और हरे–भरे वन हमारी विशेषता हैं। हमारे वन जीवित हैं। देश में सर्वाधिक बाघ मध्यप्रदेश में हैं। चंबल सबसे साफ नदी है जिसमें घड़ियालों का संरक्षण हो रहा है। नर्मदा मैया के दर्शन करने हजारों श्रद्धालु दूर–दूर से आते हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की दूरदृष्टि से मध्यप्रदेश अब देश का एकमात्र चीता प्रदेश बन गया है। चीतों का परिवार पालपुर कूनो में फल फूल रहा है। सांची, खजुराहो और भीमबेटका जैसी विश्वविख्यात धरोहर हमारी वैश्विक सांस्कृतिक पहचान है। अब यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में ग्वालियर किला, बुरहानपुर का खूनी भंडारा, चंबल के पत्थर कला स्थल, भोजेश्वर महादेव मंदिर भोजपुर, रामनगर मंडला के गोंड स्मारक और मंदसौर का धमनार भी जुड़ने की तैयारी में हैं। इसके अलावा नर्मदा परिक्रमा, गोंड चित्रकला और भगोरिया उत्सव भी पर्यटन के नक्शे पर प्रमुखता से उभरे हैं। मध्यप्रदेश ऐसा अग्रणी राज्य बन गया है, जिसने सबसे ज्यादा 18 स्थलों को विश्व विरासत सूची में शामिल करने की पहल की है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केन्द्र सरकार के सहयोग से मध्यप्रदेश के पर्यटन को नई दिशा मिली है। केन्द्र का भरपूर सहयोग मिल रहा है। मध्यप्रदेश देश का पहला राज्य है, जहां ईको सेंसिटिव जोनल मास्टर प्लान बनाने का काम शुरू किया गया और 27 राष्ट्रीय उद्यानों और वन्यजीव अभयारण्यों में से सतपुड़ा राष्ट्रीय उद्यान और बोरी वन्य जीव अभयारण्य में पूरा हो गया। हैरिटेज पर्यटन की कई परियोजनाएं शुरू की गई हैं।

प्रदेश में अधोसंरचना मजबूत होने, सड़क संपर्क में निरंतर सुधार होने और केन्द्र सरकार के सहयोग से रेल सुविधाओं के बढ़ने से पर्यटन क्षेत्र और उद्योग को लाभ मिला है। इस क्षेत्र में निवेश निरंतर बढ़ रहा है। हाल में रीवा पर्यटन कॉन्क्लेव में तीन हजार करोड़ के निवेश प्रस्ताव मिले। पर्यटन स्थलों में सुविधाएं निरंतर बढ़ाई जा रही हैं। पीएमपर्यटन वायु सेवा की शुरुआत हुई है। भोपाल, इंदौर, जबलपुर, रीवा, सतना और सिंगरौली के मध्य वायु सेवा का संचालन हो रहा है। मध्यप्रदेश सांस्कृतिक और आध्यात्मिक पुनर्जागरण के दौर से गुजर रहा है। इसी समय आध्यात्मिक पर्यटन भी निरंतर विस्तार ले रहा है। भगवान श्रीमहाकाल की नगरी उज्जैन और यहां श्रीमहाकाल लोक विश्व विख्यात हैं। पिछले साल सात करोड़ श्रद्धालुओं ने दर्शन किए। प्रदेश की जीडीपी में पर्यटन क्षेत्र के योगदान में आध्यात्मिक पर्यटन भागीदारी को और ज्यादा सशक्त बनाने की तैयारी चल रही है।

ओरछा में भगवान श्रीराम का मंदिर है। यह विश्व का एकमात्र मंदिर है, जहां भगवान को राजा के रूप में गार्ड ऑफ ऑनर दिया जाता है। यह अभूतपूर्व आध्यात्मिक घटनाक्रम है। यहां भगवान श्रीराम राजा की सरकार स्थापित है। ग्वालियर के ऐतिहासिक भव्य किले के संबंध में उल्लेख मिलता है कि भारत में पहली बार जीरो का लिखित इस्तेमाल कहां हुआ। ग्वालियर किले में नवीं शताब्दी के इस चतुर्भुज मंदिर में शून्य का सबसे शुरुआती शिलालेख पर उकेरा हुआ प्रमाण मिलता है। इस मंदिर को दुनिया में 'टैंपल ऑफ जीरो' के नाम से भी पहचाना जाता है। धार्मिक आयोजनों को नया स्वरूप दिया जा रहा है। बाबा श्रीमहाकाल की दिव्य सवारी को भव्य रूप दिया गया। रक्षा बंधन के त्यौहार और श्रीकृष्ण जन्माष्टमी को सार्वजनिक रूप से प्रदेश के कोने–कोने में मनाया गया।

द बंगाल फाइल्स का नया पोस्टर जारी, अनुपम खेर समेत दिखी पुरी स्टॉरकास्ट की झलक

भारतीय सिनेमा के जाने–माने फिल्म निर्माता और निर्देशक विवेक अग्निहोत्री फिल्म द बंगाल फाइल्स लेकर आ रहे हैं। उनकी यह फिल्म 5 सितंबर, 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। अब इससे पहले द बंगाल फाइल्स का नया पोस्टर सामने आ गया है, जिसे प्रशंसक काफी पसंद कर रहे हैं। सामने आए पोस्टर में अनुपम खेर, मिथुन चक्रवर्ती, पल्लवी जोशी और दर्शन कुमार समेत तमाम सितारों की झलक दिख रही है।

द बंगाल फाइल्स की एडवांस बुकिंग शुरू हो चुकी है। अग्निहोत्री ने पोस्टर साझा करते हुए लिखा, एडवांस बुकिंग शुरू। हिंदू नरसंहार का सच अब और नहीं छिपाया जा सकता। द बंगाल फाइल्स सिर्फ एक फिल्म नहीं है, यह एक ऐसा अनुभव है जो आपकी रूह को झकझोर देगा। यह फिल्म पश्चिम बंगाल में हिंदुओं के साथ हुए नरसंहार को दिखाने वाली है। बॉक्स ऑफिस पर द बंगाल फाइल्स का सामना टाइगर श्रॉफ की बागी 4 से होगा।विवेक अग्निहोत्री की निर्देशित और सह–निर्मित इस फिल्म का शीर्षक पहले द दिल्ली फाइल्सः द बंगाल चैप्टर था, जिसे बदलकर द बंगाल फाइल्सः राइट टू लाइफ कर दिया गया.

पाकिस्तान के आसिफ अली ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से लिया संन्यास

नईदिल्ली, पाकिस्तान क्रिकेट टीम के आक्रमक बल्लेबाज आसिफ अली ने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास का ऐलान किया। 33 वर्षीय आसिफ ने स्पष्ट किया कि वह घरेलू क्रिकेट और दुनिया भर की फ्रैंचाइजी लीगों में खेलना जारी रखेंगे। वह 2022 में हुए टी–20 विश्व कप के फाइनल और 2021 के सेमीफाइनल तक पहुंचने वाली पाकिस्तानी टीम का अहम हिस्सा रहे थे। आइए उनके अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट के आंकड़ों पर एक नजर डालते हैं।

आसिफ ने अपने संन्यास के मौके पर सोशल मीडिया पोस्ट में कहा, पाकिस्तान की जर्सी पहनना मेरे जीवन का सबसे बड़ा सम्मान रहा है और क्रिकेट के मैदान पर अपने देश की सेवा करना मेरे लिए सबसे गौरवपूर्ण अध्याय रहा है। उन्होंने 2018 में अपने अंतरराष्ट्रीय करियर का आगाज किया था। वह आखिरी बार 2023 में पाकिस्तान की जर्सी में नजर आए थे। वह एशिया कप 2023 में आखिरी बार खेलते हुए दिखे थे। आसिफ ने पाकिस्तान से 21 वनडे मैच खेले थे, जिसमें 25.46 की औसत और 121.65 की स्ट्राइक रेट के साथ 382 रन बनाए थे।

भारत के खिलाफ वनडे और टी–20 सीरीज से बाहर हुए पैट कमिंस

नईदिल्ली,ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम के प्रमुख तेज गेंदबाज पैट कमिंस अक्टूबर–नवंबर में भारत के खिलाफ होने वाली वनडे और टी–20 सीरीज से बाहर हुए हैं। दरअसल, वेस्टइंडीज दौरे में खेली गई टेस्ट सीरीज के दौरान उनकी पीठ में चोट लगी थी, जिससे वह फिलहाल उबर रहे हैं। इसके साथ–साथ ऑस्ट्रेलियाई टेस्ट कप्तान कमिंस अक्टूबर 2025 में न्यूजीलैंड के खिलाफ होने वाली टी–20 सीरीज का हिस्सा भी नहीं होंगे। आइए इस खबर पर एक नजर डालते हैं। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने पुष्टि की है कि स्कैन में फ्रैक्चर नहीं आया है, लेकिन हड्डी में खिंचाव इतना ज्यादा था कि उन्हें आराम की जरूरत पड़ी है। नवंबर 2021 में कप्तानी संभालने के बाद से इस 32 वर्षीय खिलाड़ी ने टेस्ट

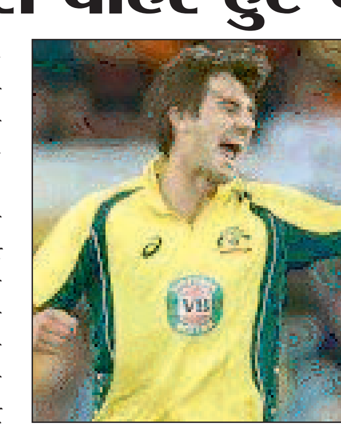

क्रिकेट में काफी जिम्मेदारी संभाली है। इस दौरान चोट के कारण उन्होंने सिर्फ 2 टेस्ट मैच नहीं खेले हैं। इस बीच ऑस्ट्रेलिया ने विश्व टेस्ट चैंपियनशिप का खिताब भी जीता था। कमिंस ने वेस्टइंडीज के दौरे पर हुए तीनों टेस्ट में हिस्सा लिया था, जिसमें उन्होंने 5 पारियों में गेंदबाजी की। दाएं हाथ के इस तेज गेंदबाज ने कैरेबियाई दौरे पर कुल 60 ओवर किए थे, जिसमें 18.12 की औसत के साथ 8 विकेट लिए थे। वह एक भी पारी में 5 विकेट हॉल हासिल करने में नाकाम रहे थे। ऑस्ट्रेलिया ने सीरीज को क्लीन स्वीप किया था। कमिंस हाल के दिनों में ऑस्ट्रेलिया के सबसे भरोसेमंद खिलाड़ियों में से एक रहे हैं, लेकिन पीठ की चोटों से उनका पुराना नाता रहा है। अपने करियर के शुरुआती सालों में भी पीठ में स्ट्रेस फ्रैक्चर के कारण वह क्रिकेट से दूर रहे थे। 2017 में पूरी तरह वापसी करने के बाद से कमिंस ऑस्ट्रेलियाई आक्रमण में लगातार मौजूद रहे हैं, और इंग्लैंड के खिलाफ पिछले 20 टेस्ट मैचों में से केवल 1 में नहीं खेले हैं।

बॉक्स ऑफिस पर परम सुंदरी ने दूसरे दिन लगाई लंबी छलांग

सिद्धार्थ मल्होत्रा और जाह्नवी कपूर की फिल्म परम सुंदरी बीते 29 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज हुई। इस रोमांटिक कॉमेडी फिल्म को समीक्षकों और दर्शकों की तरफ से मिली–जुली प्रतिक्रिया मिली, वहीं बॉक्स ऑफिस पर भी यह औसत कमाई कर रही है। पहले दिन भले ही फिल्म ने उम्मीद के मुताबिक कारोबार न किया हो, लेकिन दूसरे दिन इसने बॉक्स ऑफिस पर लंबी छलांग लगाई है। आइए जानते हैं 2 दिन में फिल्म ने कितने करोड़ रुपये कमा लिए हैं।बॉक्स ऑफिस का लेखा–जोखा रखने वाली वेबसाइट सैकनिल्क के मुताबिक, परम सुंदरी ने अपनी रिलीज के दूसरे दिन यानी शनिवार को 9 करोड़ रुपये का कारोबार किया। फिल्म ने 7.25 करोड़ रुपये के साथ बॉक्स ऑफिस पर अपना खाता खोला था। इस तरह 2 दिन में इस फिल्म ने 16.25 करोड़ रुपये कमा लिए हैं। तुषार जलोटा के निर्देशन में बनी फिल्म परम सुंदरी का बजट 45 करोड़ रुपये बताया जा रहा है। परम सुंदरी में सिद्धार्थ दिल्ली के एक अमीर कारोबारी का किरदार निभा रहे हैं। उधर जाह्नवी एक ऐसी लड़की की भूमिका निभा रही हैं, जो केरल से ताल्लुक रखती है और पेशे से एक कलाकार है।

बॉक्स ऑफिस पर ऋ तिक रोशन की वॉर 2 ने तोड़ा दम, 17वें दिन हुई केवल इतनी कमाई

सिनेमाघरों में इन दिनों कई फिल्में लगी हुई हैं। इन्हीं में से एक है ऋतिक रोशन की वॉर 2। स्वतंत्रता दिवस के मौके पर आई इस फिल्म से निर्माताओं के साथ–साथ दर्शकों को काफी उम्मीदें थीं, लेकिन बॉक्स ऑफिस पर इसकी हालत पस्त है। हर गुजरते दिन के साथ इस फिल्म की कमाई बॉक्स ऑफिस पर घटती जा रही है।

वॉर 2 की कमाई के 17वें दिन के आंकड़े सामने आ गए हैं, जिसमें मामूली इजाफा देखने को मिला।बॉक्स ऑफिस का लेखा–जोखा रखने वाली वेबसाइट सैकनिल्क के मुताबिक, वॉर 2 ने रिलीज के 17वें दिन यानी तीसरे शनिवार को केवल 1.10 करोड़ रुपये कमाए, जिसके बाद इसका कुल बॉक्स ऑफिस कलेक्शन 233 करोड़ रुपये हो गया है। 400 करोड़ रुपये की लागत में बनी फिल्म वॉर 2 ने दुनियाभर में 353.75 करोड़ रुपये से अधिक का कारोबार कर लिया है।

मिचेल स्टार्क ने टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से लिया संन्यास

नई दिल्ली,ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम के अनुभवी तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क ने टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट को अलविदा कह दिया है.अंतरराष्ट्रीय मैचों से संन्यास ले लिया है. 35 वर्षीय स्टार्क संयुक्त अरब अमीरात में आयोजित 2021 टी20 विश्व कप जीतने वाली ऑस्ट्रेलियाई टीम का हिस्सा थे.

उन्होंने अपना आखिरी टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच जून 2024 में भारत के खिलाफ विश्व कप में खेला था. स्टार्क ने टी20 के सबसे छोटे प्रारूप में ऑस्ट्रेलिया के लिए खेलते हुए 65 मैचों में 79 विकेट लिए हैं. वह वर्तमान में एडम जम्पा के बाद ऑस्ट्रेलिया के लिए सर्वाधिक विकेट लेने के मामले में दूसरे स्थान पर हैं.स्टार्क ने संन्यास लेते हुए कहा, टेस्ट क्रिकेट हमेशा

से मेरी सर्वोच्च प्राथमिकता रही है. मैंने ऑस्ट्रेलिया के लिए खेले गए हर टी20 मैच, खासकर 2021 विश्व कप के हर पल का आनंद लिया है. सिर्फ इसलिए नहीं कि हम जीते बल्कि इसलिए भी कि हम एक अविश्वसनीय टीम में थे और इस दौरान जो मजा आया. स्टार्क ने आगे कहा, 2027 में भारत के खिलाफ टेस्ट दौरे, एशेज और वनडे विश्व कप को देखते हुए, मुझे लगता है कि इन अभियानों के लिए तरोताजा फिट और अपने सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन पर बने रहने का यह मेरा सबसे अच्छा तरीका है. इससे गेंदबाजी टीम को उस टूर्नामेंट से पहले के मैचों में टी20 विश्व कप की तैयारी के लिए भी समय मिल जाता है. स्टार्क का टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन रहा है.

उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के लिए 65 टी20 मैचों में 79 विकेट चटकाए हैं. इस दौरान उनका बेस्ट प्रदर्शन 20 रन देकर 4 विकेट रहा है. ऑस्ट्रेलिया का 2026 के मध्य से टेस्ट मैचों का कार्यक्रम काफी व्यस्त है, जिसमें बांग्लादेश के खिलाफ एक घरेलू श्रृंखला, दक्षिण अफ्रीका का दौरा, न्यूजीलैंड के खिलाफ चार मैचों की श्रृंखला और जनवरी 2027 में भारत में पांच टेस्ट मैच शामिल हैं.

संक्षिप्त समाचार

बीफार्मा डिग्री धारक लेगें कोर्ट की शरण

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : देवभूमि ग्रेजुएट फार्मासिस्ट संगठन ने फार्मेसी सेवा नियमावली में संशोधन नहीं किए जाने व बीफार्मा डिग्री धारकों को फार्मासिस्ट के पद पर नियुक्ति नहीं देने पर नाराजगी जताई है। पदाधिकारियों ने कहा कि कोर्ट के आदेश के बाद भी सरकार फार्मेसी सेवा नियमावली में संशोधन नहीं कर रही है और ना ही बीफार्मा डिग्री धारकों को फार्मासिस्ट के पद पर नियुक्ति दे रही है। कहा कि जल्द ही समस्याएं हल नहीं होने पर कोर्ट की शरण में जाने के साथ ही उग्र आंदोलन किया जाएगा।शनिवार को संगठन की ऑनलाइन बैठक में संगठन के पदाधिकारियों ने कहा कि कोर्ट ने सरकार को फार्मेसी सेवा नियमाली में संशोधन करते हुए बीफार्मा डिग्री धारकों को नियुक्ति देने के आदेश दिए थे, लेकिन सरकार ने अभी तक कोर्ट के आदेशों का पालन नहीं किया है। जिससे बार-बार फार्मासिस्ट पद की भर्ती प्रक्रिया में बीफार्मा डिग्री धारकों का चयन नहीं हो पा रहा है। कहा कि राज्य निर्माण से अभी तक 25 वर्ष का समय बीत गया है, लेकिन फार्मेसी सेवा नियमावली में संशोधन नहीं हुआ है। बैठक में गोविंद शाह, ओमप्रकाश, अतुल शाह, संदीप नेगी, पुष्पा राणा, विनोद कुमार, विनय चमोली, प्रखर जोशी, पंकज रौतेला, दिनेश कुमार, मुकेश रावत आदि शामिल थे।

बारिश से जन जीवन अस्त-व्यस्त, बाजार रहे सूने

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : पौड़ी मुख्यालय सहित जिलेभर में मंगलवार को भी बारिश से आम जन जीवन अस्त-व्यस्त रहा। बारिश की वजह से स्थानीय बाजारों सुने पड़े रहे। कोट की 33 केवी लाइन ठीक हो गई है, लेकिन गेडीछेड़ा 11 केवी की लाइन में फॉल्ट आने से तीन गांवों की विद्युत आपूर्ति बाधित हो गई। सोमवार को बंद कोट की 33 केवी लाइन जहां ठीक हो पाई, वहीं दूसरी ओर अब गेंडीछेड़ा 11 केवी की लाइन में फॉल्ट आने से औंणी, असनोली और धार गांवों की बिजली सप्लाई मंगलवार को ठप हो गई। इससे यहां के करीब डेढ़ सौ उपभोक्ताओं को सुबह से ही परेशानियां उठानी पड़ी। यूपीसीएल के ईई पौड़ी अभिनव रावत ने बताया कि 11 केवी लाइन पर बारिश की वजह से पेड़ गिर गया। इससे लाइन बाधित हो गई। तेज बारिश होने से काम में भी देरी हो रही है। देर शाम तक लाइन को ठीक कर लिया जाएगा। कोट ब्लाक की 33 केवी लाइन सुचारू हो गई है।

नदी के तेज बहाव ने रामनगर एनएच पर रोकी आवाजाही

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : काशीपुर-रामगर-बुआखाल हाईवे पर मंगलवार को धनगढ़ी नदी में पानी के तेज बहाव के कारण आवाजाही बंद करनी पड़ी। रामनगर से आने वाली सुबह की बस सेवा ही धुमाकोट तक आ पाई थी, इसके बाद नदी में बारिश की वजह से पानी का बहाव काफी तेज हो गया। रामनगर प्रशासन को धनगढ़ी से हाइवे पर गुजरने वाले सभी तरह के वाहनों की आवाजाही को रोकना पड़ा। इसके बाद दोहपर में एक बार फिर पानी का बहाव कम हुआ तो वाहनों को यहां से निकाला गया, लेकिन दोपहर बाद फिर नदी में पानी बढ़ने से वाहनों की आवाजाही नहीं हो सकी। एनएच धुमाकोट के ईई जितेंद्र कुमार ने बताया कि नदी में पानी के बहाव को देखते हुए ही वाहनों को आने-जाने दिया जा रहा है। बारिश काफी तेज होने से नदी का जलस्तर अचानक बढ़ भी जा रहा है।

संकाय सदस्य लेंगे एक माह तक प्रशिक्षण

श्रीनगर गढ़वाल : हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल विवि में शिक्षकों के लिए गुरु दक्षता कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया, जिसमें मालवीय मिशन टीचर ट्रेनिंग सेंटर की ओर से उच्च शिक्षा संस्थानों के संकाय सदस्य एक माह तक प्रशिक्षण लेंगे। कार्यक्रम हाइब्रिड मोड पर आयोजित किया जा रहा है। कार्यक्रम का उद्घाटन राज्य पर्यावरण मूल्यांकन समिति के उत्तर प्रदेश शासन के अध्यक्ष प्रो. राम लखन सिंह ने किया। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की सच्ची भावना शिक्षा के भारतीयकरण में निहित है। इसे गुरुझशिष्य परंपरा, अकादमिक-उद्योग सहयोग और छात्र विविधता के समावेश से साकार किया जा सकता है। कार्यक्रम निदेशक डा. राहुल कुंवर सिंह ने बताया कि गुरु दक्षता कार्यक्रम नवनियुक्त शिक्षकों को भारतीय उच्च शिक्षा प्रणाली की गहरी समझ देने के उद्देश्य से बनाया गए हैं। इनमें संवैधानिक मूल्य, पर्यावरण चेतना, व्यक्तिगत व भावनात्मक विकास, अनुसंधान एवं व्यावसायिक उन्नति, शिक्षणशास्त्र, मूल्यांकन तकनीक, पाठ्यचर्या और राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के प्रमुख बिंदुओं पर विशेष बल दिया जाता है।

आदेशों पर नहीं ध्यान, अतिक्रमण की जद में नदी-नाले

पनियाली गदेरे में अतिक्रमणकारियों को केवल नोटिस देने तक सिमटा सिस्टम

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : कुछ वर्ष पूर्व सरकार ने अतिक्रमण की जद में आए नदी नालों को अतिक्रमण मुक्त करने के निर्देश दिए थे। लेकिन, बीते दिन उत्तरकाशी के धराली में लगातार आ रही आपदा ने सरकारी गलियारों से जारी आदेशों की कलई खोल दी। एक बार फिर आदेश जारी हुए हैं कि नदी-नालों के किनारे निर्माण नहीं होंगे। लेकिन, सवाल यह उठ रहा है कि जहां नदी-नाले पूरी तरह निर्माण की भेंट चढ़ चुके हैं, क्या सिस्टम उस अतिक्रमण को हटाने की जहमत उठाएगा।

कोटद्वार में अतिक्रमण की जद में पनियाली गदेरा

बात कोटद्वार नगर के मध्य से गुजरने वाले पनियाली गदेरे की करें तो यहां सिस्टम ने 156 ऐसे लोगों को नोटिस जारी किए हैं, जो खतरे की जद में हैं। लेकिन, कार्यवाही के नाम पर महकमा प्रतिवर्ष वर्षाकाल से पूर्व नोटिस भेजने की खानापूर्ति तक संभव है। लैंसडौन वन प्रभाग की कोटद्वार रेंज के जंगलों से निकल पनियाली गदेरा नगर के मध्य से होता हुआ सुखरो नदी में मिलता है। राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय के समीप से गदेरा नगर निगम क्षेत्र में प्रवेश करता है। इसके बाद शिवपुर, आमपड़ाव, मानपुर, सिताबपुर, काशीरामपुर, कौड़िया क्षेत्रों से होता हुआ खोह नदी तक पहुंचता है। जंगल से जैसे ही यह गदेरा शहर में प्रवेश करता है, गदेरे का आकार सिकुड़ने लगता है। इसका मुख्य कारण गदेरे में लगातार बढ़ता अतिक्रमण है। दरअसल, वर्षा के दौरान उफान पर बने पनियाली गदेरे पर वर्षा के जल को निकलने के लिए पर्याप्त जगह नहीं मिल पाती। जिससे पानी भारी मलबे को लेकर आबादी में घुस जाता है। इससे आबादी क्षेत्र को भारी नुकसान झेलना पड़ता है।

नोटिस तक सिमटा सरकारी तंत्र

पनियाली गदेरे को अतिक्रमण मुक्त करने के नाम पर सरकारी सिस्टम केवल नोटिस व अतिक्रमण चिह्नित करने तक ही सीमित है। 2017 में आई प्राकृतिक आपदा के बाद सिंचाई विभाग ने पनियाली गदेरे में आमपड़ाव से कौड़िया के मध्य 130 अतिक्रमण चिह्नित किए। लेकिन, किसी भी अतिक्रमण को हटाया नहीं गया। 2023 में पुनः विभाग ने अतिक्रमण चिह्निकरण की कार्रवाई करते हुए 156 अतिक्रमण चिह्नित किए। लेकिन, पूर्व की भांति इस मर्तबा भी विभाग अतिक्रमणकारियों को नोटिस देने तक ही सिमट कर रह गया। वर्तमान में गदेरे पर 165 से अधिक अतिक्रमण मौजूद हैं।

पनियाली गदेरे में हुए हादसे

1. वर्ष 1988 में पनियाली गदेरे में आई बाढ़ से दो लोगों की मौत। गदेरे से सटे क्षेत्रों में भारी नुकसान
2. वर्ष 1993-94 में गदेरे में आई बाढ़ से निचले क्षेत्रों में कई घरों में पानी भर गया। कोई जनहानि तो नहीं हुई, लेकिन लोगों को काफी आर्थिक नुकसान हुआ।
3. 16 सितंबर 2012 को सूर्या नगर में बनी पुलिया के कारण गदेरे का पानी सूर्या नगर व कौड़िया क्षेत्र में भरा, भारी नुकसान।
4. अगस्त 2017 को पनियाली गदेरे से आई बाढ़ के कारण सात लोगों की मौत, पूरे क्षेत्र में जलभराव, हजारों घरों में भरा मलबा।
5. अगस्त 2018 में पनियाली गदेरे के ऊफान पर आने के बाद कई घरों में मलबा घुसा, एक महिला की मौत।
6. जुलाई 2019 में घर में गदेरे का पानी भर जाने के बाद सामान बाहर निकाल रहे तीन युवकों की करंट लगने से मौत।
7. सात अगस्त 2023 में पनियाली गदेरे ने कौड़िया क्षेत्र में जमकर उत्पात है। गदेरे के तेज बहाव में गढ़वाल राइफल्स रेजीमेंटल सेंटर के विक्टोरिया क्रास विजेता गबर सिंह कैंप को राष्ट्रीय राजमार्ग से जोड़ने वाली पुलिया बह गई। साथ ही कुछ आवासों को भी नुकसान पहुंचा।

लगातार हो रही बारिश, नदी-नालों के आसपास रहने वालों की बढ़ी चिंता

कोटद्वार-दुगड्डा के मध्य हाईवे पर मलबा हटाती मशीन

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : कोटद्वार व आसपास के क्षेत्र में लगातार दो दिन से हो रही बारिश ने नदी-नालों के आसपास रहने वाले परिवारों की चिंता बढ़ा दी है। सुरक्षा को देखते हुए कई परिवारों ने अन्यत्र शरण ली। वहीं, बारिश के दौरान कोटद्वार-दुगड्डा मार्ग पर भी चुनौती बढ़ गई है। मंगलवार को कई स्थानों पर पहाड़ी से मलबा व बोल्डर गिरते रहे।

सोमवार से क्षेत्र में लगातार बारिश हो रही है। पूरी रात हुई बारिश से खोह, सुखरो, मालन नदी के साथ ही नगर के बीच से होकर गुजरने वाला पनियाली गदेरा उफान पर बह रहा था। गदेरे व नदियों के आसपास रहने वाले परिवारों की पूरी रात आंखों-आंखों में कटी। हालांकि, रात के समय पुलिस व प्रशासन की टीम ने नदी नालों के आसपास रहने वाले लोगों को सुरक्षित स्थान पर जाने की भी सलाह दी। जिसके बाद कई लोग अपने रिश्तेदार व परिचितों के घर में शिफ्ट हुए। प्रशासन की टीम पूरी रात नदी नालों पर नजर बनाए हुए थे। वहीं, कोटद्वार-दुगड्डा के मध्य भी पूरे दिन पहाड़ी से मलबा गिरता रहा। हालांकि, मौके पर खड़ी जेसीबी व पोकलेंन मशीनों से रास्ते को साफ कर यातायात व्यवस्था को सुचारु करवाया जा रहा था। लेकिन, कीचड़ के कारण दोपहिया वाहनों के रपटने का खतरा बना हुआ था। सुबह के समय अचानक पांचवें मील के समीप बरसाती रपटा ऊफान पर बहने लगा। जिसके कारण कुछ घंटे के लिए उक्त स्थान पर यातायात बंद रहा। पानी का वेग कम होने के बाद ही वाहनों ने आवागमन शुरु किया।

पुलिस ने सुनी वरिष्ठ नागरिकों की समस्याएं

जयन्त प्रतिनिधि।कोटद्वार : प्रखंड रिखणीखाल के अंतर्गत रिखणीखाल थाने में अधिकारियों ने वरिष्ठ नागरिकों की समस्याओं को सुना। अधिकारियों ने नागरिकों को समस्याओं के निस्तारण का आश्वासन दिया। सोमवार को थाना प्रभारी मो. अकरम ने क्षेत्र के सभी वरिष्ठ नागरिकों व अकेले रहने वाले वृद्धजनों से मिलकर उनकी समस्याओं को सुना। उन्होंने वरिष्ठ नागरिकों से मोबाइल नंबर से प्राप्त होने वाले ओटीपी को किसी अनजान व्यक्ति को साझा न करने की सलाह दी। कहा कि आनलाइन प्राप्त होने वाले किसी विज्ञापन के लालच में आकर संदिग्ध लिंक को न खोलें। आधार कार्ड, वोटर कार्ड के अपडेट कराने के नाम पर किसी से अपनी निजी जानकारी साझा न करने व आनलाइन ठगी के बारे में विस्तार से जानकारी देकर सतर्क रहने व साइबर ठगी होने पर 1930 टोल फ्री नंबर पर तत्काल सूचना देने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने सभी वरिष्ठ नागरिकों एवं एकल वृद्धों को आश्वस्त किया गया कि किसी भी प्रकार की समस्या होने पर उत्तराखंड पुलिस टोल फ्री नंबर 112 पर संपर्क करें।

गलत नीतियों के खिलाफ संघर्ष कर रही कांग्रेस : सोफिया फिरदौस

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की पर्यवेक्षक व ओडिशा की कटक विधानसभा विधायक सोफिया फिरदौस ने कहा है कि कांग्रेस पार्टी भाजपा की गलत नीतियों के खिलाफ सड़क पर उतरकर संघर्ष कर रही है। जनता की अनदेखी किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। इस दौरान उन्होंने कार्यकर्ताओं व पदाधिकारियों को एकजुट होकर धरातल पर कार्य करने को कहा।

कांग्रेस के संगठन सृजन अभियान के अंतर्गत कोटद्वार पहुंची सेफिया फिरदौस ने मंगलवार को स्थानीय होटल के सभागार में प्रेस वार्ता की। इस अवसर पर उन्होंने संगठन को मजबूती प्रदान करने के लिए कार्यकर्ताओं को टिप्स दिए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस कार्यकर्ताओं को पंचायत से लेकर बूथ स्तर तक संगठन को मजबूत बनाना है। साथ ही राहुल गांधी की ओर से उठाये गये मुद्दों को जन-जन तक पहुंचाना सभी की जिम्मेदारी है। वर्तमान राजनीतिक परिस्थिति में संविधान की रक्षा कांग्रेस कार्यकर्ताओं के लिए बड़ी चुनौती है जिसका डटकर सामना करना होगा।

विधायक रवि बहादुर ने संगठन को मजबूत करने, नए युग के लिए तैयार रहने के अवसर मिलने की बात कही। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी के जड़ें गहरी हैं। हमारे सिद्धांत आज भी प्रासंगिक

उन्होंने कहा कि हमें अपने संगठन में महिलाओं और समाज के हर वर्ग को शामिल करना है साथ ही समाज की समस्याओं का समाधान करने के लिए भी हमें काम करना होगा। इस मौके पर प्रदेश कांग्रेस कमेटी से महेंद्र सिंह व जगदीश धीमान, प्रदेश कांग्रेस कमेटी उड़ीसा से विश्वजीत दास व महानगर कांग्रेस अध्यक्ष संजय मित्तल मौजूद रहे।

पुस्तकालय/वाचनालय संचालित करने की मांग

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : प्रादेशिक शिल्पकार कल्याण समिति ने शहर के डॉ. आम्बेडकर बहुद्देशीय भवन में पुस्तकालय, वाचनालय संचालित करने व भूतल पर बनीं दुकानों को अनुसूचित जाति के काश्तकारों को आवंटित करने की मांग की। बताया कि पूर्व में स्पेशल कंपोनेंट प्लान के तहत शासन ने पुस्तकालय निर्माण के आदेश दिए थे। जबकि मुख्यालय में बने बहुद्देशीय भवन में न तो पुस्तकालय और ना ही इसके भूतल पर बनीं दुकानों का आवंटन अनुसूचित जाति के काश्तकारों को किया गया। ऐसे में भवन का प्रयोजन ही अधर में लटका हुआ है। जिलाधिकारी को दिए ज्ञापन में समिति के प्रदेश अध्यक्ष हरीश चंद्र शाह ने बताया कि तिमली रोड के समीप अनुसूचित जाति उपयोजना के तहत डॉ. अम्बेडकर बहुद्देशीय भवन के एक तल पर पुस्तकालय व वाचनालय को स्थापित किया जाए। कहा कि यह व्यवस्था पूर्व में प्रस्तावित डॉ. आम्बेडकर पुस्तकालय/ वाचनालय का भवन निर्माण तक रहेगी। उन्होंने शीघ्र ही बहुद्देशीय भवन में पुस्तकालय/ वाचनालय का संचालन करने व भूतल की दुकानों को अनुसूचित जाति के काश्तकारों को आवंटित करने की मांग की है। इस मौके पर वरिष्ठ कार्यकर्ता हुकुम सिंह टम्टा, श्रीकांत, अनुप सिंह आदि शामिल रहे।

दो दिवसीय अधिवेशन स्थगित

चमोली : राजकीय शिक्षक संघ शाखा गैरसैंण का 3 सितंबर से प्रस्तावित दो दिवसीय अधिवेशन स्थगित कर दिया गया है। यह जानकारी संघ में ब्लॉक अध्यक्ष दशरथ कंड़वाल ने दी। बताया कि आपदा एवं शिक्षक आंदोलन के कारण अधिवेशन स्थगित किया गया है इस हेतु शीघ्र ही नयी तिथि का घोषणा की जायेगी। (एजेंसी)

क्षेत्र की अनदेखी पर नागरिक मंच ने जताया रोष

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : लगातार शिकायत के बाद भी क्षेत्र का बेहतर विकास नहीं होने पर नागरिक मंच ने नाराजगी व्यक्त की है। कहा कि जनप्रतिनिधियों को क्षेत्र के बेहतर विकास के लिए गंभीरता से कार्य करना चाहिए। शहरवासियों की अनदेखी किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। मंगलवार को मंच की बैठक आयोजित की गई। मंच के अध्यक्ष चंद्रप्रकाश नैथानी ने कहा कि विधानसभा कोटद्वार में विकास कार्य अधर में लटके हुए है। नगर निगम में संचालित पुस्तकालय व वाचनालय बंद पड़े हुए है, निराश्रित गोवंश अभी भी सड़कों पर घूम रहा है। पनियाली गदेरे से अतिक्रमण भी नहीं हटाया गया है। कहा कि देवीरोड की तरफ जाने वाली सड़क के किनारे बनी नाली में सही प्रकार से स्लैब नहीं डाले जा रहे है। जिसके कारण सड़क का सारा कूड़ा कचरा नाली में बह रहा है। कहा कि क्षेत्र में स्वास्थ्य सुविधाओं का भी अभाव बना हुआ है। पानी की पाइप लाइनों के लिए खोदी जा रही सड़कों को ठीक नहीं करवाया जा रहा है, जो कि दुर्घटनाओं को न्योता दे रहे है। उन्होंने शासन-प्रशासन से अधूरे विकास कार्यों को पूरा किए जाने की मांग की है। इस मौके पर अतुल भट्ट, राजेंद्र पंत, अनिली नवानी, राजेंद्र सिंह नेगी, चित्रमणि देवलियाल, इंद्रमणि देवरानी, राकेश लखेड़ा, दिनेश जुयाल मौजूद रहे।

किसी भी तरह की आपदा से निपटने को तैयार रहें अधिकारी : डीएम

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : जिलाधिकारी स्वाति एस भदौरिया ने मंगलवार को क्षेत्र की नदियों व उन पर बने पुलों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों को किसी भी तरह की आपदा से निपटने के लिए तैयार रहने के निर्देश दिए। कहा कि तेज बारिश होने पर लोगों को अन्यत्र शिफ्ट करें। इस दौरान उन्होंने बेस अस्पताल का भी निरीक्षण किया।

जिलाधिकारी ने नदियों के आसपास सुरक्षा दीवार पुल व आबादी क्षेत्र का निरीक्षण किया। कहा कि लगातार दो दिन से वर्षा का दौर जारी है। ऐसे में लोगों को सुरक्षा पर ध्यान देना चाहिए। इसके उपरांत उन्होंने बेस अस्पताल में दवाओं की उपलब्धता, उपकरणों एवं संसाधनों की सूची को अद्यतन रखने, ई-औषधि पोर्टल के संचालन को सुनिश्चित करने व मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। डीएम ने दंत चिकित्सा इकाई में आरसीटी सेवा शुरू कराने, जच्चा-बच्चा वार्ड एवं एम्बुलेंस की स्थिति की नियमित जांच करने तथा चिकित्सालय

कोटद्वार में क्षेत्र का निरीक्षण करती जिलाधिकारी स्वाति एस भदौरिया

परिसर में स्वच्छता और साफ-सफाई की समुचित व्यवस्था बनाएं रखने के भी निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने आपातकालीन कक्ष, ओपीडी पंजीकरण काउंटर, अल्ट्रासाउंड कक्ष, एक्स-रे एवं एमआरआई सेक्शन, महिला एवं प्रसूति वार्ड, बाल वार्ड, शल्य चिकित्सा वार्ड, दवा वितरण केंद्र एवं पैथोलॉजी लैब का बारीकी से निरीक्षण किया। तत्पश्चात जिलाधिकारी ने चिकित्सकों की बैठक भी ली, जिसमें आवश्यक संसाधनों एवं व्यवस्थाओं की जानकारी ली। चिकित्सकों ने अपनी मांग व सुझाव भी जिलाधिकारी के सामने रखे। जिसका जिलाधिकारी ने संज्ञान लेते हुए प्रमुख अधीक्षक को आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने मरीजों और उनके तीमारदारों से भी वार्ता की और अस्पताल में मिल रही सुविधाओं की जानकारी ली। उन्होंने चिकित्सकों और स्वास्थ्यकर्मियों को मरीजों को गुणवत्तापूर्ण सेवाएं प्रदान करने के निर्देश दिए। इस मौके पर अस्पताल के प्रमुख अधीक्षक डॉ. विजय सिंह, उप जिलाधिकारी कोटद्वार सोहन सिंह सैनी, तहसीलदार साक्षी उपाध्याय सहित अस्पताल के चिकित्सक व अन्य स्टाफ उपस्थित रहा।

छात्रों ने पोस्टर प्रतियोगिता से दिया लोकल हैंड, लोकल ब्रैंड का संदेश

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : इंस्टीट्यूट ऑफ हॉस्पीटेलिटी, मैनेजमेंट एंड साइंसेज (आईएचएमएस) कॉलेज में स्टार्टअप इंडिया थीम पर आधारित विभिन्न वर्गों की पोस्टर प्रजेंटेशन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें बीबीए कोर्स के छात्र-छात्राओं ने पोस्टर के माध्यम से अपनी नवाचार सोच के साथ लोकल हैंड, लोकल ब्रैंड का परिचय दिया।

बीईएल रोड बलभद्रपुर स्थित कालेज के सभागार में आयोजित प्रतियोगिता का कॉलेज के कार्यकारी निदेशक अजय राज नेगी ने शुभारंभ किया। इस अवसर पर छात्र-छात्राओं ने ए.आई मीरर, पोष्टिक खाद्दय पदार्थ के लिए ऐप, फ्लोर टाइल्स से एनर्जी, कूड़ा निस्तारण, टाइम बैंक,

चारधाम रुट, स्मार्ट पर्किंग, ईको फ्रेंडली ज्वैलरी, कृषि शिक्षा, एग्रीटेक स्टार्टअप, पुरानी किताबें नए सपने, क्लिक टू कस्मर और लोकल हैंड, लोकल ब्रैंड आदि अनेक प्रकार के नवाचार को लेकर पोस्टर बनाए। बतौर निर्णायक कॉलेज के प्राचार्य डॉ. अश्वनी शर्मा, कंप्यूटर साइंस विभागाध्यक्ष अनुराग सेमवाल और होटल मैनेजमेंट विभागाध्यक्ष वीरेंद्र आर्य ने पोस्टरों का अवलोकन कर प्रतिभागियों से जानकारी प्राप्त की। अंकों के आधार पर ग्रुप-15 के दीपांशु, वैदेही, शिभ्यांशु, मो. अर्श, सुमित गुसाईं और विशाल ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। ग्रुप-2 के अभय गुप्ता, कामिनी, अनमोल नेगी और नितिन ने दूसरा, जबकि ग्रुप-5 और 3 के निहारिका, सिमरन, कनिका, रविंद्र, निधि और सुमित ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। इस अवसर पर प्रतियोगिता समन्वयक असिस्टेंट प्रो. अजय आचार्य, जन संपर्क अधिकारी नरेश थपलियाल, असिस्टेंट प्रो. ममता, असिस्टेंट प्रो. अंकिता सोनल सहित विभाग के सभी प्राध्यापक मौजूद रहे।

अभिषेक को इंडियाना विवि में प्रवेश मिलने पर जताई खुशी

चमोली : सिदोली के मुल्यागांव निवासी अभिषेक बिष्ट को अमेरिका की इंडियाना यूनिवर्सिटी में उच्च शिक्षा पीएचडी कम्प्यूटर साइंस में प्रवेश मिलने पर क्षेत्र में खुशी की लहर है। उनके पिता दिनेश बिष्ट एवं माता गुडडी देवी शिक्षक हैं। अभिषेक ने अपनी पढ़ाई सेक्रेड विद्यालय घोलतीर से प्रारंभ की और हाईस्कूल में 92 प्रतिशत अंक लेकर प्रथम स्थान प्राप्त किया था। तत्पश्चात इंटर के लिए सेंट थेरेमास कान्वेंट स्कूल श्रीनगर से 94 प्रतिशत अंक प्राप्त किया और बीटेक प्रेटोलियम यूनिर्वसिटी देहरादून से गेट क्वालिफाई करने के पश्चात मास्टर आफ कम्प्यूटर साइंस एमएसआईआईटी हैदराबाद से उत्तीर्ण कर अमेरिका की जीआरई परीक्षा उत्तीर्ण कर इंडियाना यूनिवर्सिटी अमेरिका के लिए पीएचडी कम्प्यूटर साइंस में प्रवेश करने पर कामयाबी हासिल की।

उत्तराखण्ड पावर कारपोरेशन लि०
(उत्तराखण्ड सरकार का उपक्रम)
कॉरपोरेट आइडिन्टीटी संख्या : U40109UP2001SG025867/2358
कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, विद्युत वितरण खण्ड, नैनीडांडा

निविदा विस्तारीकरण सूचना

इस खण्ड के द्वारा पूर्व में प्रकाशित निविदा संख्या – 01/2025–26, 02/2025–26, 03/2025–26 एवं 06/2025–26 जोकि दिनांक– 02/09/2025 को खोली जानी है। अपरिहार्य कारणों से उक्त निविदाओं की खुलने की तिथि दिनांक– 11/09/2025 को अपराह्न 13:00 बजे तक विस्तारित की जाती है एवं उसी दिन उपस्थित निविदादाताओं के सम्मुख अद्योहस्ताक्षरकर्ता अथवा उनके द्वारा अधिकृत प्रतिनिधि द्वारा अपराह्न 15:00 बजे सार्वजनिक रूप से खोली जायेगी। अन्य नियम एवं शर्तें पूर्ववत् रहेंगी।

अधिशासी अभियन्ता,
पत्रांक : 494/वि0वि0ख0(नै0)/उपाकालि0/टी–6 दिनांक : 02.09.2025 वि0वि0 खण्ड, नैनीडांडा

विद्युत बिलों के 24x7 आनलाईन भुगतान हेतु www.upcl.org पर जायें
"राष्ट्र हित में बिजली बचाएं" (Customer Care Toll Free no. 1800 419 0405)

उत्तर रेलवे

निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से प्रवर मण्डल अभियन्ता/चर्तुथ द्वारा निम्नलिखित ई टेन्डर संख्या जिनके बन्द होने की तिथि व समय प्रत्येक सामने अंकित है। जो उसी दिन 16.00 बजे तक प्राप्त किये जायेंगे। निम्नलिखित टेन्डर संख्या के अर्न्तगत आंमत्रित किये जाते है। निविदा की कीमत तथा धरोहर राशी का भुगतान निविदादाता द्वारा केवल IREPS पोर्टल पर उपलब्ध नेट बैंकिंग, डेबिट कार्ड, क्रेडिट कार्ड आदि के माध्यम से आनलाइन भुगतान करना होगा। डिमाण्ड ड्राफ्ट बैंकर चेक डिपाजिट रसीद आदि स्वीकार्य नहीं होगा। टेन्डर से संबधित अन्य जानकारी वैबसाइट www.ireps.gov.in पर देखें।

टेन्डर संख्या	149-DRM-MB-25-26 Date 26.08.2025	150-DRM-MB-25-26 Date 26.08.2025
कार्य का नाम	Heavy repair of pipeline, water booth improvement of toilets blocks and PF sheds etc. at various station in the section of SSE/W/NBD under the jurisdiction of ADEN/NBD.	Improvement of PWI Store cum office ta AMRO and BJO under ADEN/GJL.
टेन्डर क्लोसिंग दिनांक	25.09.2025	25.09.2025
टेन्डर क्लोसिंग समय	16:00	16:00
अनुमानित लागत	89,97,551.85	54,96,523.08
धरोहर राशि	1,80,000.00	1,09,900.00
कार्य पूर्ण करने की अवधि	8 माह	6 माह
बिडिंग आरंभ तिथि	11.09.2025	11.09.2025

टेन्डर नं. Tender No. Sr. DEN-IV/Publication/25-26 दिनांक–01.09.2025 2654/2025

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

मरीजों के पर्चे पर बाहर की दवाएं न लिखें चिकित्सक

जयन्त प्रतिनिधि।

कोटद्वार : विधानसभा अध्यक्ष रितु खण्डूडी भूषण ने झंडीचौड़ व कलालघाटी क्षेत्र में स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने चिकित्सकों को मरीज के पर्चे पर मेडिकल स्टोर की दवा लिखे जाने पर नाराजगी व्यक्त की। कहा कि चिकित्सक मरीजों को अस्पताल में मौजूद दवाएं ही उपलब्ध करवाएं। मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधा मिले इसका विशेष ध्यान रखें।

निरीक्षण के दौरान विस अध्यक्ष ने अस्पताल में रखे कर्मचारियों की उपस्थिति के रजिस्टर की भी गहनता से जांच की। उन्होंने अनुपस्थित कर्मचारियों के मामले को लेकर सीएमओ से स्पष्टीकरण भी मांगा। कहा कि स्वास्थ्य कर्मी व अन्य कर्मचारी नियमित रूप से अपनी सेवाएं दें। इसके लिए स्वास्थ्य विभाग को गंभीरता से कार्य करना होगा। निरीक्षण के दौरान मरीजों ने विस अध्यक्ष को चिकित्सकों द्वारा पर्चे पर बाहर की दवा लिखने की शिकायत की। जिस पर विस अध्यक्ष ने नाराजगी व्यक्त की। कहा कि चिकित्सक किसी भी मरीज को बाहर की दवाएं न लिखें।

कोटद्वार के भाबर क्षेत्र में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के निरीक्षण के दौरान चिकित्सकों से जानकारी लेती विस अध्यक्ष ऋतु खंडूडी भूषण

बीमारियों से संबंधित उन्हीं दवाओं को दें जो स्वास्थ्य केंद्र में मौजूद हैं। उन्होंने कहा कि कलालघाटी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में एचएससीएल की ओर से 32 बेड का आधुनिक नवजात गहन चिकित्सा इकाई का निर्माण किया गया है।

कोविड रिलीफ फंड के तीन करोड से इसको तैयार करवाया गया। इससे जनता को बेहतर स्वास्थ्य लाभ मिलेगा। इस मौके पर स्वास्थ्य प्रतिनिधि जितेंद्र नेगी, मंडल महामंत्री अभिषेक नेगी, रजत भट्ट आदि मौजूद रहे।

पर्यावरण मित्रों ने किया प्रदर्शन, कंपनी के प्रतिनिधि पर लगाएं आरोप

जयन्त प्रतिनिधि।

सतपुली : नगर पंचायत सतपुली के पर्यावरण मित्रों ने सफाई व्यवस्था के लिए अनुबंधित कंपनी के प्रतिनिधि पर अभ्रद व्यवहार व शोषण करने का आरोप लगाते हुए धरना प्रदर्शन किया। इस दौरान पर्यावरण मित्रों ने सफाई व्यवस्था के लिए कंपनी के विरोध में जमकर नारेबाजी की। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि प्रतिनिधि मनमानी कर रहे है। वह अब तक सात पर्यावरण मित्रों को नौकरी से हटा चुके है।

बता दें कि नगर पंचायत सतपुली में सफाई व्यवस्था को लेकर जून माह में साईं एवन सर्विसेज कंपनी देहरादून को अनुबंधित किया गया। पर्यावरण मित्रों का कहना है कि कंपनी के प्रतिनिधि द्वारा उनके साथ अभद्र व्यवहार किया जा रहा है, वहीं उनका शारीरिक एवं मानसिक शोषण भी किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि प्रतिनिधि द्वारा अभद्र भाषा, गाली-गलौज और धक्का मुक्की भी की जाती है। साथ ही पर्यावरण मित्रों को नौकरी से निकालने की धमकी दी जाती है। पर्यावरण मित्रों ने आरापे लगाते हुए कहा कि उन्हें सरकार द्वारा स्वीकृत वेतन भी नहीं दिया जा रहा है और पीएफ, एएसआई भी नहीं काटा जा रहा रहा है तथा उनके अवकाश में भी कटौती की जा रही है। पर्यावरण मित्र सागर ने बताया कि कंपनी के प्रतिनिधि द्वारा उन्हें और उनके साथियों को गोली से मारने की धमकी दी और नेतागिरी न करने की चेतावनी दी है। प्रदर्शन करने वालों में सुनील, ऋतिक, रजत, राकेश, अमन, अंकित, सिद्धांत, सागर, अभिषेक, विकास, सुभाष, डोली, अनीता, रीता, सरिता, दया देवी, सविता आदि शामिल रहे। वहीं नगर पंचायत अधिशासी अधिकारी पूनम ने बताया कि पर्यावरण मित्रों की समस्या को लेकर जिलाधिकारी को पत्र प्रेषित किया जाएगा इसके बाद अग्रिम कार्यवाही की जाएगी। इस मामले में उपजिलाधिकारी सतपुली श्रेष्ठ गुनसोला ने पल्ला झाड़ते हुए कहा कि यह मामला नगर पंचायत के अधीन है। इस पर नगर पंचायत द्वारा ही कार्यवाही की की जाएगी।

कमेड़ा में वाहनों की आवाजाही 13 घंटे ठप रही

चमोली : भारी बारिश के कारण ऋषिकेश-बदरीनाथ हाईवे कमेड़ा में सोमवार दोपहर में बाधित हो गया था। मंगलवार को दोपहर एक बजे मलबा हटाकर कमेड़ा में वाहनों की आवाजाही हो सकी। इस दौरान वहां ऋषिकेश, देहरादून, हरिद्वार सहित कर्णप्रयाग, चमोली, गोपेश्वर, जोशीमठ व बदरीनाथ जाने वाले सैकड़ों वाहन 13 घंटे तक फंसे रहे।

हाईवे के दोनों तरफ मशीनें लगाकर मंगलवार दोपहर तक मलबा हटाया जा सका। वहीं, कर्णप्रयाग के अपर बाजार में रामलीला मैदान के पास भूस्खलन होने से खतरा बना है। बदरीनाथ हाईवे पर गौचर के पास कमेड़ा में पिछले दो वर्षों से लगातार भूस्खलन हो रहा है। यहां पर पहाड़ी पर भारी बोल्डर अटके हैं। बारिश होते ही इनके नीचे की दलदली मिट्टी खिसक जाती है। इस साल कमेड़ा में 14 से अधिक बार सड़क बंद होने से वाहनों की आवाजाही बाधित हो चुकी है। सोमवार दोपहर करीब 12 बजे कमेड़ा में बोल्डर व भारी मात्रा में मलबा हाईवे पर आ गया था, जिससे वाहनों की आवाजाही 13 घंटे तक ठप हुई। चटवापीपल में भी हाईवे पर मलबा आता रहा। बारिश से सिमली रोड़ पर सुभाषगनर में पांच से अधिक मकानों को खतरा बना है। बहुगुणानगर और आईटीआई मोहल्ले में भी लोग खतरे के साए में रहने को मजबूर हैं। कर्णप्रयाग-नैनीसैंण मार्ग पर भी कई जगहों पर मलबा आया है। बारिश से अलकनंदा व पिंडर का जलस्तर काफी बढ़ गया है। पांच सितंबर तक प्रदेश में भारी बारिश की संभावना व्यक्त की गई है। ऐसे में चमोली जिले के कई क्षेत्रों जैसे कमेडा, नंदप्रयाग, पागलनाला, भनेरपानी में मार्ग बाधित होने और यात्रा के दौरान खतरा बढ़ने की आशंका बनी रहती है। जिलाधिकारी संदीप तिवारी ने यात्रियों एवं स्थानीय नागरिकों से अपील है कि वे मौसम की प्रतिकूल परिस्थितियों को देखते हुए प्रशासन द्वारा जारी दिशा-निर्देशों का पालन करें तथा अनावश्यक यात्रा से बचें। (एजेंसी)

संक्षिप्त समाचार

तीर्थाटन के नाम पर पर्यटन टूरिज्म को बढ़ावा देना गलत नीति

श्रीनगर गढ़वाल : हिमालय बचाओ आंदोलन के अध्यक्ष समीर रतूड़ी ने प्रदेश में पारिस्थितिकी तंत्र को बिना छेड़े विकास करने की मांग उठाई है। उन्होंने कहा कि पहाड़ों पर अत्याधिक अनियोजित विकास का बोझ पड़ने से प्रदेश में आपदाएं आ रही हैं।

मंगलवार को श्रीनगर के एक होटल में समीर रतूड़ी ने प्रेसवार्ता की। उन्होंने कहा कि पहाड़ में आपदाग्रस्त इलाकों का अध्ययन करने पर यह बात सामने आई है कि घटते जंगल और अनियोजित विकास के मॉडल आज प्रदेश में प्राकृतिक आपदाओं को निमंत्रण दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि पर्यावरणीय पहलू मात्र शब्दों और कागजी कार्रवाई तक सीमित रह गया है। सरकार को इस साल की आपदा के साथ ही पिछले कुछ वर्षों की आपदाओं का आंकलन करना चाहिए। उनकी संस्था द्वारा किए गए अध्ययन से स्पष्ट है कि अपने यौवनकाल में हिमालय के पहाड़ पर अत्यधिक अनियोजित विकास का बोझ पड़ गया है। नदी के अपने नैसर्गिक मार्ग पर अनियोजित ढंग से विभिन्न प्रकार के निर्माण के चलते आपदा में कई लोगों की जान गई है। तीर्थाटन के नाम पर पर्यटन टूरिज्म को बढ़ावा देना ही एक गलत नीति है। सरकार जल्द ही इसमें सुधार नहीं करती है तो संभवत तीर्थस्थानों पर भी आपदा देखने को मिल सकती है। उन्होंने सरकार से यहां के पारिस्थितिकी को बिना छेड़े विकास के मॉडल तैयार करने की मांग की है। इस मौके पर द्वारिका प्रसाद सेमवाल, डॉ. अरविन्द दरमोड़ा मौजूद रहे। (एजेंसी)

छात्रवृत्ति के लिए 30 सितम्बर तक करें आवेदन

जयन्त प्रतिनिधि। रुद्रप्रयाग : जनपद रुद्रप्रयाग के सभी शैक्षणिक संस्थानों में अध्ययनरत अनुसूचित जाति, जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग तथा आर्थिक रूप से पिछड़े वर्ग के छात्र-छात्राएं शैक्षणिक सत्र 2025-26 हेतु नेशनल स्कॉलरशिप पोर्टल पर छात्रवृत्ति के लिए 30 सितम्बर 2025 तक आवेदन कर सकते है। जिला समाज कल्याण अधिकारी टीआर मलेठा ने बताया कि पात्र छात्र-छात्राएं समय पर पोर्टल के माध्यम से आवेदन करें, ताकि किसी को भी छात्रवृत्ति से वंचित न रहना पड़े। उन्होंने जनपद के सभी शिक्षण संस्थानों के प्रमुखों से भी अपेक्षा की है कि वे व्यक्तिगत रुचि रखते हुए छात्रों को छात्रवृत्ति आवेदन कराने में हर संभव सहयोग प्रदान करें। उन्होंने बताया कि शैक्षणिक सत्र 2022-23, 2023-24 एवं 2024-25 में जिन छात्र-छात्राओं का छात्रवृत्ति भुगतान आधार सीडिंग अथवा डीबीटी एनेबल न होने के कारण लंबित है, वे शीघ्र ही अपने बैंक से सम्पर्क कर खाते को आधार सीडिंग एवं एनेबल करा लें। संबंधित छात्र-छात्राओं की सूची शिक्षा विभाग एवं शैक्षणिक संस्थाओं को उपलब्ध करा दी गई है।

अगस्त्यमुनि में हुई चाकूबाजी से लोगों में आक्रोश

रुद्रप्रयाग : अगस्त्यमुनि में हुए चाकूबाजी प्रकरण से आम लोगों में पुलिस की कार्यशैली के खिलाफ आक्रोश है। कांग्रेसी नेताओं ने भी इस प्रकरण में आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्यवाही की मांग की है। घटना के बाद मंगलवार को कई कांग्रेसी नेता एवं नगर पालिका एवं पंचायतों के सभासदों ने घायल दोनों सभासदों का हाल देखा। मंगलवार को जैसे ही लोगों को घटना की जानकारी हुई तो बोहरा नर्सिंग होम रुद्रप्रयाग में लोग घायलों को देखने पहुंचे।

कांग्रेस जिलाध्यक्ष कुंवर सजवाण, नगर पंचायत अगस्त्यमुनि के अध्यक्ष राजेंद्र गोस्वामी, कांग्रेस नेता नरेंद्र बिष्ट, पूर्व ब्लॉक प्रमुख प्रदीप थपलियाल, लक्ष्मण सिंह रावत, सभासद नमन शर्मा, गोपी रौथाण, अर्जुन गहरवार, सुमित रावत, सूरवीर जगवाण, रजनी रावत, उमा कैंतुरा, देवेश्वरी नेगी, कुंवर लाल आदि अस्पताल पहुंचे जहां उन्होंने घायलों का हालचाल जाना। साथ ही इस मामले की इस की निष्पक्ष जांच की मांग की। कहा कि उत्तर प्रदेश में होने वाली घटनाएं शांत पहाड़ों में हो रही है। इधर, अगस्त्यमुनि में भी लोगों ने पुलिस के खिलाफ आक्रोश व्यक्त किया।

पति की मौत के आरोपी को गिरफ्तार करने की गुहार लगाई

देहरादून। अधोईवाला शांति विहार निवासी पिंकी रावत ने पति के मौत के आरोपी की गिरफ्तारी की गुहार लगाई है। उन्होंने पुलिस पर भी आरोपी को बचाने के आरोप लगाए हैं। प्रेस क्लब में पत्रकारों से बातचीत में पिंकी रावत ने कहा कि 27 अगस्त 2024 इंद्र रोड पर कार सवार ने उनके पति पंकज रावत के दोपहिया वाहन को टक्कर मार दी थी। 16 दिन तक अस्पताल में भर्ती रहने के बाद पति मौत हो गई थी।

शिक्षकों के लिए टीईटी की बाध्यता से शिक्षा विभाग में हड़कंप

देहरादून। शिक्षकों के लिए टीईटी की अनिवार्यता को लेकर आए सुप्रीम कोर्ट के फैसले से उत्तराखंड के शिक्षा विभाग में हड़कंप मच गया है। यहां 15 हजार ऐसे शिक्षक हैं, जो टीईटी नहीं हैं और प्राइमरी और जूनियर स्तर के स्कूलों में सेवाएं दे रहे हैं। ऐसे शिक्षकों की नौकरी पर आए संकट के बीच शिक्षा मंत्री डॉ.धन सिंह रावत ने मंगलवार शाम उच्च स्तरीय बैठक में इसका समाधान निकालने के आदेश दिए हैं। सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में आरटीई लागू होने यानी 2011 से पहले तैनात बेसिक शिक्षकों के लिए भी टीईटी की अनिवार्यता के आदेश दिए हैं। कोर्ट ने ऐसे शिक्षकों को इसमें राहत दी है, जिनके रिटायरमेंट के पांच साल से कम बचे हैं। सुप्रीम कोर्ट के ताजा फैसले से राज्य के 15 हजार के करीब बेसिक शिक्षक सीधे तौर पर प्रभावित हो रहे हैं। ऐसे में कोई रास्ता नहीं निकाला गया तो इन शिक्षकों को दो साल के भीतर टीईटी उत्तीर्ण करना होगा। तब इन्हें पदोन्नति भी नहीं मिल पाएगी। अगर टीईटी पास नहीं कर पाएंगे तो सेवा में भी नहीं रह पाएंगे। सुप्रीम कोर्ट का फैसला आने के बाद मंगलवार शाम को शिक्षा निदेशालय में शिक्षा मंत्री डॉ.धन सिंह रावत ने अफसरों के साथ बैठक की। शिक्षा मंत्री ने बैठक में अफसरों को फैसले का अध्ययन करने और इसके उत्तराखंड के शिक्षकों पर प्रभाव का आंकलन करने के निर्देश दिए। शिक्षा मंत्री डॉ.धन सिंह रावत ने कहा कि हम सभी विकल्पों पर विचार कर रहे हैं। उच्च स्तरीय अधिकारियों को इसकी जिम्मेदारी गई है।

शिक्षक दिवस पर देहरादून, हल्द्वानी और श्रीनगर में मौन जुलूस निकालेंगे

देहरादून। राजकीय शिक्षक संघ ने पांच सितंबर को शिक्षक दिवस पर देहरादून, हल्द्वानी और श्रीनगर में मौन जुलूस और कैंडल मार्च निकालने का ऐलान किया है। वह शिक्षक दिवस पर आयोजित किसी भी सम्मान समारोह में हिस्सा नहीं लेंगे। शिक्षण कार्य भी काली पट्टी बांधकर करेंगे। सभी जिलों की कार्यकारिणी को राजकीय शिक्षक संघ के प्रदेश अध्यक्ष राम सिंह चौहान और महामंत्री रमेश चंद्र पैन्यूली ने मंगलवार को पत्र जारी किया है। इसमें उन्होंने आंदोलन के अगले चरण को फिलहाल स्थगित किया जा रहा है। साथ ही छात्र हित को देखते सभी शिक्षक स्कूलों में शिक्षण कार्य शुरू करने का निर्णय लिया है। गैर शैक्षणिक कार्यों का शिक्षक बहिष्कार जारी रखेंगे। मंगलवार को शिक्षक संघ की गूगल मीट में यह भी तय किया गया कि पांच सितंबर को शिक्षक दिवस पर सरकारी सम्मान समारोह का पूरी तरह बहिष्कार किया जाएगा। साथ ही देहरादून, हल्द्वानी और श्रीनगर में प्रधानाचार्य सीधी भर्ती निरस्त करने की मांग को लेकर मौन जुलूस और कैंडल मार्च निकालेंगे।

सरकार राज्य आंदोलनकारियों के सपनों का उत्तराखंड बनाने के लिए प्रतिबद्ध : धामी

मुख्यमंत्री ने मसूरी गोलीकांड शहीदों को दी श्रद्धांजलि

जयन्त प्रतिनिधि।

देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने मसूरी गोलीकांड की 31वीं बरसी पर आयोजित कार्यक्रम में शहीद राज्य आंदोलनकारियों को श्रद्धांजलि अर्पित की।

इस दौरान शहीदों के परिजनों को सम्मानित किया गया। मुख्यमंत्री ने कहा है कि प्रदेश सरकार राज्य आंदोलनकारियों के सपनों का उत्तराखंड बनाने के लिए कृतसंकल्प होकर कार्य कर रही है। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने गढ़वाल सभा भवन जल्द बनाने और सिफन कोर्ट का मामला जल्द हल करने की बात कही मुख्यमंत्री ने मसूरी में वेंडर जोन की घोषणा सहित अन्य मांगों पर भी शीघ्र कार्रवाई का आश्वासन दिया। सीएम ने कहा कि राज्य सरकार उत्तराखंड आंदोलन के प्रमुख चेहरा रहे स्वर्गीय इंद्रमणि बड़ोनी के जन्मशताब्दी समारोह को भी भव्य तरीके से मनाएगी।

मंगलवार को मसूरी स्थित शहीद स्मारक पर आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने उत्तराखंड राज्य आंदोलन के दौरान मसूरी में शहीद हुए आंदोलनकारी बलबीर सिंह नेगी, बेलमती चौहान, हंसा धनाई, धनपत सिंह, राय सिंह बंगारी और मदन मोहन ममगई को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि राज्य आंदोलनकारियों ने हमारे बेहतर भविष्य के लिए अपना वर्तमान दांव पर लगाकर उत्तराखंड के निर्माण में अपना अद्वितीय योगदान दिया। उन्होंने कहा कि 2 सितंबर 1994 का दिन राज्य के इतिहास में एक काले अध्याय के रूप में अंकित रहेगा। इस दिन मसूरी की वीरभूमि पर शांतिपूर्ण ढंग से प्रदर्शन कर रहे आंदोलनकारियों को पुलिस की गोलियों का सामना करना पड़ा।

सीडीओ कोण्डे ने किया ग्रामोत्थान परियोजना के तहत स्थापित बीज बैंक का निरीक्षण

हरिद्वार। जनपद के नारसन विकासखंड में ग्रामोत्थान (रीप) परियोजना के सहयोग से स्थापित बीज बैंक का निरीक्षण सीडीओ आकांक्षा कोण्डे द्वारा किया गया। यह बीज बैंक नारसन के मखदुमपुर में स्थित नारी शक्ति सीएलएफ में स्थापित है।

निरीक्षण के दौरान, सीडीओ आकांक्षा कोण्डे ने बीज बैंक के प्रमाणीकरण (सर्टिफिकेशन) पर विशेष ध्यान केंद्रित किया। उन्होंने सीएलएफ की महिला सदस्यों के साथ बातचीत की और फसलों की उपज तथा बीजों की गुणवत्ता के बारे में विस्तृत जानकारी प्राप्त की। उन्होंने इस बात पर ज़ोर दिया कि प्रमाणीकरण से बीजों की गुणवत्ता और विश्वसनीयता सुनिश्चित होगी, जिससे किसानों को बेहतर उपज मिलेगी।

सर्टिफिकेशन प्रक्रिया को जल्द से जल्द पूरा कराने के लिए, सीडीओ ने जिला परियोजना प्रबंधक संजय सक्सेना और खंड विकास अधिकारी सुभाष सैनी को आवश्यक दिशा–निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि समय पर प्रमाणीकरण होने से यह बीज बैंक अपनी पूर्ण क्षमता से काम कर पाएगा और स्थानीय किसानों को लाभ पहुंचा सकेगा।

सीबीआई अफसर बनकर महिला से चार लाख की ठगी

हरिद्वार। साइबर ठगों ने कनखल निवासी एक महिला से पुलिस और सीबीआई अधिकारी बनकर चार लाख रुपये की ठगी कर ली। आरोपी कॉल और वीडियो कॉल पर महिला को धमकाते रहे कि उसके खिलाफ 24 एफआईआर दर्ज हैं और नाम पर वारंट जारी है। घबराई महिला ने तीन किस्तों में रकम ट्रांसफर कर दी। पीड़िता की शिकायत पर कनखल पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है। पीड़िता क्रिस्टल शर्मा पत्नी विजय गुप्ता ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि 23 जुलाई को दोपहर दो बजे उसके मोबाइल पर फोन आया कि उसका नंबर बंद किया जा रहा है। इसके बाद लगातार अलग–अलग नम्बरों से कॉल और व्हाट्सएप वीडियो कॉल आईं। कॉल करने वालों ने खुद को टेलीकॉम ऑफिस दिल्ली और मुंबई पुलिस का अधिकारी बताया।

शिक्षक ने सभासदों पर किया धारदार हथियार से हमला

रुद्रप्रयाग : नगर पंचायत अगस्त्यमुनि के दो सभासदों पर एक शिक्षक ने धारदार हथियार से हमला कर जख्मी कर दिया। दोनों घायलों को रुद्रप्रयाग में एक निजी नर्सिंग होम में भर्ती किया गया जहां दोनों का ऑपरेशन हुआ। एक सभासद की आंत और एक के पेट के निचले हिस्से पर गहरा घाव हुआ है। वहीं आरोपी शिक्षक भी अस्पताल में भर्ती है। पुलिस ने दोनों घायलों के बयान के आधार पर आरोपी शिक्षक के खिलाफ एफआईआर दर्ज की। सोमवार रात को करीब 10 बजे अगस्त्यमुनि में नपं सभासद विक्की आनंद सजवाण और हिमांशु भट्ट एक होटल में भोजन कर रहे थे। इसी दौरान वहां एक निजी स्कूल के दो शिक्षक पहुंचे और उन्होंने सभासद हिमांशु से उनकी स्कूटी की चाभी मांगी। दोनों स्कूटी लेकर चले गए और 20 मिनट बाद पहुंचे। दोनों शिक्षक होटल संचालक के साथ बहस करने लगे। इसी बीच सभासद ने हस्तक्षेप किया कि तो शिक्षकों और उनकी धक्का-मुक्की हो गई। इसके बाद एक शिक्षक विनोद कुमार ने दोनों सभासद पर धारधार हथियार से हमला कर दिया। सूचना पर पहुंचे परिजनों ने उन्हें तत्काल रुद्रप्रयाग के एक निजी नर्सिंग होम में भर्ती कराया। बताया जा रहा है कि सभासद विक्की आनंद की आंत और हिमांशु भट्ट के पेट के निचले हिस्से पर गहरा घाव हुआ है। चिकित्सक डॉ. आनंद बोहरा ने बताया कि ऑपरेशन के बाद दोनों की स्थिति खतरे से बाहर है। वहीं आरोपी भी अस्पताल में भर्ती है। पुलिस थाना अगस्त्यमुनि के प्रभारी निरीक्षक महेश रावत ने बताया कि आरोपी के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर दी गई है।

हरबर्टपुर में देह व्यापार का भंडाफोड़, दो महिला सहित पांच गिरफ्तार

विकासनगर। रिष्ठ पुलिस अधीक्षक देहरादून को गोपनीय सूचना पर एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट और पुलिस ने हरबर्टपुर में किराये के मकान में चल रहे देहव्यापार के धंधे का खुलासा किया है। पुलिस ने मौके से दो महिलाओं सहित पांच को गिरफ्तार किया है। उनके कब्जे से आपत्तिजनक सामाग्री बरामद की गई है। आरोपियों के खिलाफ कोतवाली विकासनगर में मुकदमा दर्ज किया गया है। जानकारी के मुताबिक एसएसपी अजय सिंह को गोपनीय माध्यम से सूचना मिली कि हरबर्टपुर में एक मकान में देह व्यापार चल रहा है। सूचना पर एसएसपी प्रभारी एन्टी ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट देहरादून को तत्काल आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए गए। जिस पर एएचटीयू देहरादून तथा विकासनगर पुलिस की संयुक्त टीम ने देर रात में हरबर्टपुर स्थित सोनिया बस्ती के निकट बिजली घर के पास वार्ड नंबर–पांच में एक मकान में छापेमारी की। छापेमारी के दौरान पुलिस टीम को मकान के अलग–अलग कमरों में दो पुरुष तथा दो महिलाएं आपत्तिजनक स्थिति में मिली। साथ ही उनके पास से आपत्तिजनक सामाग्री बरामद हुई। मौके से पुलिस टीम ने मकान के केयर टेकर सहित सभी पांचों अभियुक्तों को गिरफ्तार कर उनके खिलाफ कोतवाली विकासनगर में अनैतिक व्यापार (निवारण) अधिनियम 1956 पंजीकृत में मुकदमा दर्ज कराया है। आरोपियों की पहचान जय नारायण शर्मा पुत्र महेश आनंद शर्मा निवासी ग्राम कांडा, पोस्ट गडोली थाना बड़कोट उत्तरकाशी, हरि किशोर पुत्र शिव शरण निवासी मंडी चौक चिरंजीपुर विकासनगर, विक्की पुत्र राकेश कुमार निवासी रामबाग हरबर्टपुर, आंचल पुत्री दल बहादुर निवासी बनारस स्टेशन ग्राम बहादुरपुर, थाना बहादुरपुर बनारस उत्तर प्रदेश हाल पत्ता कैंप जगाधरी, यमुनानगर, हरियाणा व सिमरन चौधरी पत्नी जसविंदर सिंह निवासी लोनी मुस्तफाबाद जिला गाजियाबाद के रूप में हुई है। पूछताछ में मकान के केयर टेकर जय नारायण शर्मा पुत्र मनीष महेश आनंद शर्मा ने बताया गया कि मकान को राजकुमार नाम के व्यक्ति ने किराये पर लिया है। जिसमें उनके द्वारा बाहरी राज्यों की रहने वाली महिलाओं को बुलाकर उनसे अनैतिक देह व्यापार करवाया जाता है। वह मकान का देखभाल तथा प्रबंधन का कार्य देखता है।

धर्मनगरी में आफत बनकर बरसी बारिश

हरिद्वार। धर्मनगरी में मंगलवार को बारिश आफत बनकर बरसी। इस दौरान सुबह से शाम तक बारिश होती रही। बारिश में लोग भीगकर जलभराव से आवाजाही करने को मजबूर रहे। भगत सिंह चौक और रानीपुर मोड़ की सड़क पर तीन फुट तक बारिश का पानी जमा हो गया। ज्वालापुर के बाजारों में भी दुकानदार जलभराव से परेशान रहे।

वहीं, उत्तरी हरिद्वार और कनखल में भी लोग बारिश और जलभराव से जूझते रहे। धर्मनगरी में सोमवार देरात शुरू हुई बारिश मंगलवार को दिन में तीन बजे तक जारी रही। बारिश के दौरान सड़कों पर जलभराव की समस्या बन गई। भगत सिंह चौक पर रानीपुर मोड़ पर जलभराव के बीच आवाजाही करने पर एक बस और दो छोटे वाहन पानी में फंस कर खराब हो गए। साथ ही करीब 10 दोपहियां वाहन चालक पानी के बीच वाहन बंद होने के बाद अपने वाहन पानी से बाहर खींचते नजर आए।

रुड़की में पहली बार जियारत कर सकेंगे लोग

रुड़की। ईद–ए–मिलादुन्नबी की पुरनूर फिजाओं में इस साल भी अंजुमन गुलामाने मुस्तफा सोसाइटी (रुड़की चैप्टर) जश्न–ए–खैरुल वरा का छठा सीजन रोशन करने जा रही है। रामपुर रोड स्थित उमर एन्क्लेव में 3 से 6 सितम्बर तक ऐसे कई प्रोग्राम होंगे। जिनमें इंसानी खिदमत भी है, रूहानी इबादत भी और महबूब–ए–खुदा की शान के तराने भी है। मंगलवार को संस्था ने कार्ड का विमोचन किया। अध्यक्ष कुंवर शाहिद ने बताया कि रबी–उल–अव्वल की 12 तारीख इस साल 5 सितम्बर–वह मुबारक दिन है। उन्होंने बताया कि रुड़की के इतिहास में पहली बार हुजूर मुहम्मद साहब के दाढ़ी मुबारक मुए मुबारक और हुजूर ख्वाजा मुईनुद्दीन चिश्ती अजमेर शरीफ की टोपी मुबारक की जियारत कराई जाएगी। उन्होंने बताया कि छह तारीख की शाम पांच बजे से सात बजे तक कोई भी व्यक्ति जियारत कर सकता है। कार्यक्रम संयोजक अमजद उस्मानी तथा कोषाध्यक्ष अमजद मालिक ठेकेदार ने बताया कि बुधवार को रक्तदान शिविर, गुरुवार को फल वितरण, 12 रबी–उल–अव्वल – जश्न का शबाब, दोपहर को रामपुर से कलियर शरीफ जाने वाली साबिर पाक की चादर ले जाने वाले जत्थे का उमर एन्क्लेव गेट पर स्वागत किया जाएगा। लंगर का भी आयोजन किया जाएगा। शाम को महफिल–ए–समां: पीलीभीत से तशरीफ लाए सय्यद डॉ. बिलाल मियां की सदारत में रुहानी महफिल होगी। लखनऊ के मशहूर क़व्वाल कमर वारसी हज़रत मोहम्मद साहब की शान में नातिया कलाम और कव्वालियां पेश करेंगे। साकिब मालिक ने बताया की शुक्रवार को दोपहर दो बजे से चार बजे तक नगर निगम हॉल में नात ए पाक का प्रतियोगिता कराया जायेगा। संस्था के वालंटियर आसिफ अली उर्फ हैदर आदि मौजूद रहे।

दिन और रात डराते रहे गौला नदी और नाले

हल्द्वानी। लगातार हो रही बारिश से मंगलवार को भी गौला नदी और बरसाती नाले हल्द्वानी के लोगों के लिए खतरा बने रहे। मंगलवार को गौला नदी का जलस्तर 53772 क्यूसेक होने से जहां बाढ़ जैसे हालात बने रहे। वहीं शहर के नजदीक बहने वाले नालों से कई घरों को खतरा बना रहा। इससे लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ा।

प्रशासन द्वारा राहत और बचाव कार्यों को युद्धस्तर पर अंजाम दिया जा रहा

दुर्गम क्षेत्र के तलजामण और डूंगर, उछोला में संचालित हो रहा सामुदायिक किचन

जयन्त प्रतिनिधि। रूद्रप्रयाग : रुद्रप्रयाग जनपद के बसुकेदार क्षेत्र में हाल ही में आई प्राकृतिक आपदा के बाद जिला प्रशासन द्वारा राहत और बचाव कार्यों को युद्धस्तर पर अंजाम दिया जा रहा है। आपदा की गंभीरता को देखते हुए एसडीआरएफ, एनडीआरएफ और डीडीआरएफ की टीमें लगातार लापता लोगों की खोजबीन में जुटी हैं। वहीं, प्रभावित क्षेत्रों में बिजली और पानी जैसी मूलभूत सुविधाओं को शीघ्र बहाल कर दिया गया है।

प्रदेश के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी आपदा की स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए हैं। उन्होंने जिला प्रशासन को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि प्रभावित लोगों को त्वरित राहत और आवश्यक सहायता पहुंचाने में किसी प्रकार की लापरवाही न हो। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार हर प्रभावित व्यक्ति के साथ खड़ी है और राहत कार्यों में किसी भी प्रकार की कमी नहीं आने दी जाएगी। मुख्यमंत्री के निर्देशों के अनुरूप जिलाधिकारी प्रतीक जैन स्वयं राहत कार्यों की निगरानी कर रहे हैं। उन्होंने सभी विभागों को निर्देशित किया है कि प्रभावित लोगों को हर संभव सहायता शीघ्रता से उपलब्ध कराई जाए। प्रशासन ने आपदा प्रभावित क्षेत्रों को सेक्टरों में बांटकर वहां नोडल अधिकारियों की तैनाती कर दी है, ताकि राहत कार्यों में तेजी लाई जा सके और समन्वय बना रहे। खाद्य एवं पूर्ति विभाग भी राहत कार्यों में सक्रिय भूमिका निभा रहा है। विभाग ने उछोला क्षेत्र में मौसम साफ होने पर हेलीकॉप्टर के माध्यम से राशन पहुंचाया, जबकि बीते कुछ दिनों से हो रही बारिश के चलते वैकल्पिक माध्यमों से भी खाद्यान्न पहुंचाने का कार्य जारी है। जिला पूर्ति अधिकारी केएस कोहली ने बताया कि तलजामण और डूंगर, उछोला, जैसे दुर्गम क्षेत्रों में सामुदायिक किचन संचालित कर लोगों को भोजन उपलब्ध कराया जा रहा है। वहीं, बांगर क्षेत्र के डांगी, स्यूर, मध्य गांव, जोला, बढेथ, भण्डारी ताल, डुंगर, बक्सीर, बडेथ, भटवाडी, ताल जामण जैसे क्षेत्रों में सरकारी सस्ते गल्ले की दुकानों के माध्यम से पूर्व में ही तीन माह का राशन वितरित किया जा चुका है। अब सितंबर माह के राशन वितरण का कार्य भी प्रारंभ हो चुका है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि विभाग प्रत्येक प्रभावित परिवार की आवश्यकताओं का विशेष ध्यान रखते हुए खाद्यान्न आपूर्ति सुनिश्चित कर रहा बताया कि इन सभी जगहों में विभाग की टीमें तैनात है जो ग्रामीणो की हर संभव मदद कर रही है।

लगातार हो रही बारिश से जनजीवन अस्त-व्यस्त

चमोली : पिछले दो दिनों से हो रही लगातार हो रही बारिश ने थराली क्षेत्र में जनजीवन को पूरी तरह अस्त-व्यस्त कर दिया है। आपदा की मार झेल रहे थराली कस्बे में पिंडर नदी उफान पर है, जिससे हालात और भी भयावह होते जा रहे हैं। लगातार हो रही बारिश से लोग डर और अनिश्चितता के साए में जीने को मजबूर हैं। पिंडर नदी का जलस्तर बढ़ने से कस्बे के निचले इलाकों में खतरा और गहरा गया है। प्रशासन की ओर से लोगों को सुरक्षित स्थानों और रेस्क्यू सेंटरों की ओर जाने की अपील की जा रही है, लेकिन नदी किनारे बसे क्षेत्रों में स्थिति बेहद गंभीर बनी हुई है। अपर बाजार में भूस्खलन ने स्थानीय निवासियों की परेशानी बढ़ा दी है। (एजेंसी)

जयन्त
संस्थापक
स्व.नरेन्द्र उनियाल
प्रकाशक,मुद्रक और स्वामी
नागेन्द्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस से मुद्रित तथा बद्रीनाथ मार्ग कोटद्वार (गढ़वाल) से प्रकाशित
—सम्पादक
नागेन्द्र उनियाल
आर.एन.आई. 35469/79
फोन/फैक्स 01382–222383
मो. 8445596074, 9412081969
e-mail: nagendra.uniyal@gmail.com